

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 53]

नई विल्ली, शनिवार, दिसम्बर 31, 1977 (पौष 10, 1899)

No. 53]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977 (PAUSA 10, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/1/77 प्रशा० III(1)—— इस कायिलय की प्रिध्नसूचना स० ए० 32011/1/77 प्र०-III, दिनांक 1-10-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिच-वालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 12-11-77 से 29-12-77 तक की प्रतिरिक्त प्रविध के लिये, अथवा आगामी आदेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापक रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०—III (2)—— इस कार्यालय की प्रिक्षियुचना स० ए० 32011/1/77-प्र० III नाक I-10-77 के प्रनुक्तम में, सघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिंघवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० ग्रार० बमरा को, राष्ट्रपति द्वारा 20-11-77 से 31-12-77 तक की श्रतिरिक्त ग्रवधि के लिये, ग्रथवा श्रागामी श्रादेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनाक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12025/2/76-प्रणा०-І--कामिक श्रौर प्रणासा-निक सुधार विभाग के का० भा० सं० 9/14/76-सी०ए स० (II) दिनाक 14-11-1977 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा श्री एम० एल० खण्डूरी, स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ∮ ग्रेड ग) को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 17-11-1977 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक उसी सवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक/ सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

विल्ली उच्च न्यायालय में निलबित 1975 की सिविल रिट याचिका सं० 284 के निर्णय की मर्त के अनुसार ही श्री खण्डूरी की नियुक्ति होगी।

> प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, विनाक 8 दिसम्बर 1977

स ० एफ० 2/9/77-स्था०(सी०आर०पी०एक०)/पर्स 2---राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमाडेट श्री ग्रार० के०

(6011)

1-396GI/77

मेहरा को, जो इस समय भारत तिब्बत सीमा पुलिस में प्रति-नियुक्ति पर हैं, 15-9-77 (अपराह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मे उप महानिरीक्षक के रैक में प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

> च० चऋवर्ती, निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल्

नई दिल्ली-110001, दिनाक 14 दिसम्बर 1977

मं० भ्रो०±2 II-142/76-स्था०--मेजर डी० एस० यापा ने स्थल सेना में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 3 मिगनल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार छोड़ा।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनाक 5 दिसम्बर 1977

स ० ई-38013(3) 9/77-कार्मिक —स्थानातरित होने पर, श्री पी० के० लहरी ने 6 श्रक्टूबर, 1977 के अपराह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट श्रलाय इस्पात सयत, दुर्गापुर के सहायक कमांश्रेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापजीयक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर, 1977

स० पी०/पी० (35) प्रणा०-I—इस कार्यालय की दिनाक 23-1-76 की समसख्यक प्रशिसूचना की श्रमुवर्ती में, राष्ट्रपति, भारत निर्वाचन श्रामोग सचिवालय में स्थाई हिन्दी अनुवादक, श्री कृष्णा नन्द पन्त की, भारत के महापजीकार के कार्यालय में, स्थानन्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति को दिनाक 17 जनवरी, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक, श्रथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पण्ल कामुख्यालय नई विल्ली मेही रहेगा।

दिनाक 12 दिसम्बर 1977

सं० 25/8/73-श्रार० जी० (प्रशा०-1)— उड़ीसा सरकार के श्रन्तर्गत, पूर्णावधि की श्राय प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से, सेवानिवृत्त होने पर, श्री बी० लिपाठी ने, पदेन रूप से सभाला हुआ है, उड़ीसा के जनगणना कार्य निदेशक का पदभार श्रपराह्न 31 श्रक्ट्यर, 1977 से छोड़ विया है।

म० पी०/म्राई०(1)-प्रणा० I——नागालैण्ड ग्रमैतिक मेवा (श्रेणी 1) किन्ट्य ग्रेड ड के मदस्य, श्री ए० मी० बाल को, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य उप-निदेशक, नागालैण्ड के पद पर, प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर, पूर्वाह्न 12 सितम्बर, 1977 में श्रगले म्रादेण प्रेपित होने तक, सहर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री बाल का मुख्यालय कोहिमा में होगा।

स० 10/13/76-प्रशा॰ I-सिष लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री श्रक्त लियस पिर्टू को नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई रूप से, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तक्षनीकी) के पद पर जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, पूर्वाञ्च 30 नवम्बर, 1977 में, श्रगले श्रादेश प्रेषित होने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० पी०/बी० (48) प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में भ्रत्वेषक (सामाजिक भ्रध्ययन), श्री ई० रामास्यामी, को तारीख 2 दिसम्बर, 1977 के (अपराह्म) से भ्रत्वेषक ग्रधिकारी (सामाजिक भ्रध्ययन) के पद पर बिल्कुल श्रस्थाई तथा तदर्थ रूप से इसी कार्यालय में श्री एन० के० बैनर्जी, भ्रन्वेषक श्रधिकारी (सामाजिक श्रध्ययन) को भ्रवैतनिक छुट्टी मजूर करने पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> बद्री नाथ, भारत के उप-महापजीकार तथा पदन उप-सचिव

सातवा वित्त ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनाक 5 दिसम्बर 1977

स० 7 एफ० सी० 9(6)-ए०/77—सातवे वित्त भ्रायोग में भ्राधिक भ्रन्वेषक, श्री जी० पी० साहनी को, 3 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से भ्रगला भ्रादेश जारी होने तक डेपुटेशन की सामान्य शर्तों पर 700-1300 रुपए के वेतनमान में भ्रनुसंधान श्रिधकारी निम्कत किया गया है।

पन्ना लाल सकरवाल, श्रवर सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार गुजरात ग्रहमदाबाद-1, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० स्था० (ए०) जी० श्रो०/3586—महालेखाकार गुजरात ने श्राधिन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० एन० पिल्लाई एवं० श्री वी० राजगोपालन नायर (II) को दिनाक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से लेकर ध्रगला श्रावेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रिक्कारी के रूप में नियुक्ति देने की कुपा की है।

के० पी० लक्ष्मण राव, उप महालेखाकार (प्र०) वाणिज्य मलालय

मुख्य नियन्नक भ्रायात निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 12 दिसम्बर 1977 श्रायात नथा निर्यात क्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/806/67-प्रणासन (राज०)/8609--राष्ट्रपति, केन्द्रीय मचिवालय सेवा के वर्ग-1 के स्थानापन्न प्रधिकारी श्री श्रार० पी० बसू को 1 नवम्बर, 1977 से अगला श्रादेश होने तक मुख्य नियन्नक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप-मुख्य नियन्नक श्रायात निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि मुख्य भियन्नक, भ्रायात-निर्यात

उद्योग महासय

श्रीद्योगिक विकास विभाग कार्यालय विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

म० ए० 19018/264/76-प्रशासन (राजपितन)--संघ लोक मेवा भ्रायोग की सिफारिकों के भ्राधार पर राष्ट्रपति जी दिनाक 26 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्न) में श्रगले भ्रावेशों के जारी होने तक के लिये श्री के० वासुदेवन को लघु उद्योग विकास सगटन में सहायक निदेशक (वर्ग-I) (इलेक्ट्रानिक्स) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (वर्ग-I) (इलेक्ट्रानिक्स) के रूप में नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के बामुदेवन ने दिनाक 26 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्म) से लधु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में प्रपने पद का कार्यभार यहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु उप निदेशक (प्र०)

पूर्नि तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनाक 6 दिसम्बर 1977

स $\sim x \sim -1/1 (125) - - \sqrt{n}$ तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड 1) श्री बी० ए० शनाय का दिनाक 2 दिसम्बर, 1977 को देहान्त हो गया।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्र०) कृते महानिदशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मद्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनाक 7 दिसम्बर 1977

स० 5907/बी०/13/76/19 ए०—भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखापाल श्री डी० के० रायचौधुरी को सहायक लागत-नेखा-प्रधिकारी के क्ष्म में, उसी विभाग में वेतन नियमा नुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 र० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 2 नवस्बर, 1977 से नियुक्त किया जा रहा ह।

स० 5960/बी०/2181 (एस० के० ग्रार०)/19सी०—— भारतीय भूवेजानिक सर्वेक्षण के भूतपूर्व रसायनज (कनिष्ठ) खा० एस० के० राय को सहायक रसायनज्ञ के पद पर 7 मई, 1976 से स्थायिवत् घोषित किया जा रहा है।

> वी० के० एस० <mark>वरदन</mark> महा निदेशक

राष्ट्रीय भ्रभिलेखागार

नई दिल्ली 1, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० एफ० 11-9/77-ए०-І--- प्रिभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतव्हारा सघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिश पर कुमारी मीना कुमारी शर्मा को नियमित प्रस्थाई प्राधार पर 26-11-77 के पूर्वाह्म मे आगामी प्रादेशों तक प्रिक्षिलेखाधि कारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ह० भ्रपठनीय श्रभिलेख निवशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 6 दिसम्बर 1977

स० 4(15)/77-एस०-I--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतदक्षाराश्री निरजन सि० घाटे को श्राकाशवाणी, नागपुर मे 21-11-1977 से श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० 4(76)/77-एस-1 महानिदेशक, आकाणवाणी, एतद्धारा श्री पी० एम० गोपालकृष्ण को आकाणवाणी, हैवराबाद में 16-11-1977 से अगले आवशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 12 दिसम्बर 1977

स०4(9)/75-एस०-I--श्री जी०एस० हीरतयप्पा, स्थाना-पन्न कार्यक्रम निष्पादक, ग्राकाणवाणी, मगलौर की सेवाए, सक्षम प्राधिकारी द्वारा, 26 श्रक्टूबर, 1977 में समान्त की गई थी।

> नन्द किशोर भारक्षाज प्रशासन उप निदेशक

कृते महानिदशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

स० ए० 12025/9/77-एस०-I--राप्ट्रपति ने श्री योगिन्द्र कुमार प्रग्रवाल को, जो इस समय सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, गोहाटी में उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर काम कर रहे हैं, 16 नवम्बर, 1977 श्रपर। हुत से उसी मेडिकल स्टोर डिपो मे उसी पद पर नियमित श्राधार पर श्रस्थाई रूप मे नियुक्त किया है।

सगत सिह उप निदेशक प्रशासन कृषि श्रौर सिचाई मद्रालय (ग्राम विकास विभाग) विषणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय प्रधान गाखा कार्यालय नागपुर, दिनाक 8 दिसम्बर 1977

सं० 3(13)/57/76-वि०—II-भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), सीमा णुल्क प्रधिनियम सख्या 174 सी० यृ० एस० दिनाक 26 दिसम्बर 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए में एनदद्वारा श्री ग्रार० वी० कोठे, सहायक विपणन श्रधिकारी को इस श्रधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से पणु श्रतिख्या, ऊत, वृढ़लोम श्रौर श्रजालोम, जिनका श्रेणीकरण पणु श्रंतिख्या श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन (सशोधन) नियम, 1975 ऊन, श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन (सशोधन) नियम, 1977, वृढ़लोम श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियम, 1975 श्रौर श्रजालोम श्रेणीकरण श्रौर चिह्न (सशोधन नियम, 1975 श्रौर श्रजालोम श्रेणीकरण श्रौर चिह्न (सशोधन नियम 1962 के उपबन्धों के श्रनुमार किया जा चुका है, श्रौर जिनका निर्यात उपरोक्त श्रधिस्चनाश्रो के श्रधीन है, के संबंध में श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिये प्राधिकृत करता हु।

> के० एस० उपला कृषि विपणन सलाहकःर

भाभा परमाणु श्रनुयंद्यान केन्ड कार्मिक विभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० 5/1/77-/स्थाप०-II/4663---राजस्थान णरमाणु विजली परियोजना से तवादला होने पर, उसी परियोजना के श्री वेकटाचारी राजगोपालन, एक स्थाई सेलेक्शन ग्रेड क्लर्क ग्रीर स्थानापन्न महायक कार्मिक श्रीधकारी, दिनाक 26 श्रक्तूबर 1977 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशो तक, भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र मे, सहायक प्रशासनिक ग्राधकारी के ग्रेड (१० 650-960) मे एक स्थानापन्न ग्राधकारी नियुक्त किए जाते है।

बी० एम० खातु ^{*}उपस्थापना ग्रिधिकारी **कृते** नियत्नक

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत् परियोजना इजीनियरी प्रभाग बम्बई-5, दिनाक 24 नवम्बर 1977

स० पी० पी० ई० डी०/3(236)/77-प्रशासन/15772-विद्युत् परियोजना इजीनियरी प्रभाग के निदेशक इस प्रभाग के एक ग्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक-मी० श्री टी० प्रेमचन्द्रन को उसी प्रभाग में 1 अगस्त, 1977 से ग्रगले श्रादेश तक के लिये वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' के पद पर ग्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० वी० थाटे प्रशासन म्रधिकारी ऋय एव भड़ार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 28 नवम्बर 1977

स० डो० पी० एस०/2/1/(25)/77—स्थापना/34670—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एव भण्डार निदेशक, ऋय एव भण्डार निदेशक, ऋय एव भण्डार निदेशक्त के निम्निलिखित व्यक्तियों को उसी निदेशालय में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 1 श्रक्तूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1977 (श्रपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर रुपए 650—30—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेननमान में नियुक्त करते हैं।

- 1 श्री नेल्लुवाई हिन्हर ग्रस्यर कृष्णन्, लेखाकार
- 2 श्री जगन्नाथ गोवाल भाठे, महायक लेखाकार

स० डी० पी० एस०/23/8/77—स्थापना/34690—पर-माणु ऊर्जा विभाग के ऋय एव भड़ार निदेशक, ऋय एव भड़ार निदेशालय के लेखाकार श्री एन० एच० कृष्णन् को इस निदेशालय में रुपए 650—30—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेतनमान में सहायक लेखा श्रीधकारी के पद पर 17 सितम्बर, 1977 (प्रविद्ध) से 30 सितम्बर, 1977 (प्रपराह्म) तक की श्रवध के लियं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

यह नियुक्ति सहायक लेंखा ग्रधिकारी श्री बी० के० पोतदार के स्थान पर की जा रही है, जिनकी नियुक्ति लेखा ग्रधिकारी-II के पद पर की गई है।

> बी० जी० कुलकर्णी कृते प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनाक 6 दिसम्बर 1977

स० ए० ए.म० डी०-1/20/77-प्रशासन--परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री ग्राट० रामेण्वरन को 5 श्रक्तृबर 1977 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेण जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधिकारी/इंजीनियर (ड्रिलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

स० ए० एम० डी०~1/20/77-प्रशासन---परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक, श्री श्रोम प्रकाश साह को 5 श्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म में लेकर आगामी श्रादेश जारी होने तक के लिय उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/इजीनियर (ब्रिलिंग) ग्रेड एमर्द्धी० नियुक्त करते हैं।

स० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री स्थपन कुमार बिश्वास को 5 ग्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म में लेकर ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/ इजीनियर (ड्रीलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करने हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—-परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री श्ररुन कुमार श्रीवास्तव को 5 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ इंजीनियर (ड्रीलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

> एस० रगनाथन वरिष्ठ प्रशासन एव लेखा श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय)

मुम्बई-039, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० पी० ए०/प्रणामन/16/3/73-पमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक श्री बी० आर० रेगे, स्थायी लेखाकार को उसी कार्यालय में सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर 18 जून 1977 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> श्चार० वीरा राघवन प्रणासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मन्नालय भारत मौसम विज्ञान विभाग शुद्धि पन्न

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० ई० (1) 08054—इस कार्यालय की दिनांक 6-8-77 की म्रक्षिसूचना सख्या ई० (1) 08054 के पैरा 1 की म्रन्तिम पक्ति में लिखी गई तारीख 25 मई, 1977 के स्थान पर कृपया 27 मई 1977 पढा जाए।

गुरुमुख राम गुप्ता मौसम विज्ञानी कृते वेधशालाश्रो के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1977

स० ए० 32013/1/77-ई० डब्ल्य्०—-राष्ट्रपति ने श्री एन० गोपाल, विद्युत् श्रोर यांत्रिक श्रधिकारी को 29 सितम्बर, 1977 (पूर्वाक्ष्ण) से तथा श्रन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में रुपए 1100-50-1600 के वेतनमान में सहायक निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनाक 30 नवम्बर 1977

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—वैमानिक सचार स्टेशन, भोपाल के श्री ए० के० रामास्वामी सहायक संचार ग्रिधकारी ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31-10-1977 (ग्रपराह्न) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग विया है।

स० ए० 39012/1/77-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण श्रौर विकास यूनिट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वी० मनुज, तकनीकी श्रिधिकारी का 12 सितम्बर, 1977 (श्रपराह्म) से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनाक 6 दिसम्बर 1977

स० 38012/1/77-ई० सी०---नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित ग्राधिकारियों ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31-10-1977 (ग्रापराह्न) में ग्रापने पद का कार्यभा रह्याग दिया है —

कम नाम श्रौर पदनाम स०	तैनाती स्टेशन
 श्री सी० वी० वैंकटेशन, सहायक निदेशक सचार 	म्ख्यालय
2. श्री एम० सी० जैन, वरिष्ठ सचार श्रधिकारी	मुख्यालय

स० ए० 32013/9/77-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी प्रधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 6 माम की प्रविध के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्तिया होने तक, इसमें से जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने विए गए स्टेशन पर नैनात किया है। उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की नारीख प्रत्येक के नाम के सामने दी गई हैं.--

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैचाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने कीतारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. ਅੀਟੀ	० एन० मेहता	नियन्नक, केन्द्रीय रेडियो भंडारडिपो, नई दिल्ली	निदेशक रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	28-9-1977 (पूर्वाह्न)
2. श्रीएस	ा० के० शर्मा	वैमानिक सचार स्टेशन, पालम	वैमानिक सचार स्टेशन, पालम	26-9-1977 (पूर्वा ह्य)

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
 श्री एंस० सी० दुरेजा 	वैमानिक सचार स्टेशन,	वैमानिक संचार	26-9-1977
. ,	सफदरजग एय'रपोर्ट, नई दिल्ली	पालम	(पूर्वाह्न)
4. श्रीपी० एस० वैंकटरमन	वैमानिक संचार स्टेशन,	वैमानिक सचार स्टेशन,	28-9-1977
	नागपुर	नागपुर	(पूर्वाह्न)
5. श्री श्राप्य पी० में हिन्दरा	रेडियो निर्माण ए व	रेंडियो निर्माण एव	22-9-1977
	विकास एकक,	विकास एकक,	(पूर्वाह्म)
	नई दिल्ली	नई विल्ली	
6. श्री के० एन० के० पोदुवाल	वैमानिक सचार स्टेशन,	वैमानिक संचार स्टेशन,	27-9-1977
	बबई	वबर्द	(पूर्वाह्न)
7. श्री बी० रामाकृष्णा	वैमानिक संचार स्टेशन,	वैमानिक सचार स्टेशन,	28-9-1977
	भलकेता	कलकत्ता	(पूर्वाह्न)
8. श्री डी० पी० श्रग्निहोत्नी	नागर विमानन	नागर विमानन	30-9-1977
	प्रशिक्षण केन्द्र,	प्रशिक्षण केन्द्र,	(पूर्वाह्न)
	इलाहाबाद	इलाहाबाद	
 श्री एन० ग्र(र० एन० ग्रय्यगर 	वैमानिक सचार स्टेशन,	वैमानिक सचार स्टेशन,	28-9-1977
· ·	गोहाटी	गोहाटी	(पूर्वाह्न)

दिनाक 8 दिसम्बर 1977

स० ए० 32013/1/77-ई० मी०---राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० गोस्वामी, सहायक निदेशक सचार (मुख्यालय) को श्री एस० एम० गुप्ता, उपनिदेशक सचार की 22-10-77 से 49 दिन की छुट्टी रिक्ति में 25-10-1977 (पूर्वाह्न) से तर्वर्थ स्नाधार पर उपनिदेशक सचार (मुख्यालय) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सत्य वेव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

विदेश सचार सेवा

बम्बई, विनाक 1 दिसम्बर 1977

स० 1/421/77-स्था०—-स्विचिय काम्प्लेक्स, बस्बई के श्रस्थायी सहायक श्रिभयता श्री श्रार० के० बसल का सेवा से त्यागपत्न 14 श्रक्तूबर, 1977 के श्रपराह्न से स्वीकार किया गया है।

दिनाक 8 दिसम्बर 1977

सं० 24/7/76-स्था०—श्वी बी० पी० सिह, सूबेदार, के० ग्रा०पु०द० महानिदेशालय, नई दिल्ली को 17 अक्तूबर, 1977 के पूर्वीक्क से श्रीर श्रागामी श्रादेशो तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर विदेश संचार सेवा, विदेश संचार भवन, नई दिल्ली से स्थानापन्न रूप से सुरक्षा ग्राधिकारी नियुक्त किया जाता है।

> एस० श्रीनिवासाचा र महानिदेशक

बम्बई, दिनाक 5 विसम्बर 1977

सं० 1/412/77-स्था०—विषेश संचार सेवा के महा-निवेशक एतद्द्वारा मद्रास शाखा के स्थानापन्न सकतीकी सहायक, श्री पी० श्रीनिवासलु को श्रत्पकालीन रिक्त स्थान पर 10-5-1976 से 11-6-1976 (बोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक श्रभियता नियुक्त करते हैं।

> एम० एम० कृष्णस्वामी, प्रशासन श्रधिकारी कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, विनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० क-19012/19/77-प्रणा० पाँच—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग, श्री एस० ए० शाह, वरिष्ठ भ्रनुसधान सहायक, को कोयम्बट्र गेजिंग प्रभाग, कोयम्बट्र, केन्द्रीय जल भ्रायोग भ यहायक अनुसंधान श्रधिकारी (रसायन) की श्रेणी में पूर्णतया श्रस्थायी तथा नदर्थ श्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में 31-10-1977 (पूर्वाह्म) में फरवरी, 1978 के प्रत तक या इस श्रेणी में नियमित श्रधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते ह।

दिनाक 12 दिसम्बर 1977

श्री एस० पी० मित्तल ने ग्रांतिरिक्त महायक निदेशक (हाइड्रो-मेट) के पद का कार्यभार केन्द्रीय जल ग्रायोग में 11-10-1977 (पूर्वाह्म) से ग्रहण किया।

जितेन्द्र कुमार साहा, श्रवर सचिव, केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इजीनियर का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

म ० 27 एस०/जी० (२)/73-ई० सी०-II—श्री के० वी० गनेपन, ग्रिधीक्षक इजीनियर (सतर्कता) के० लो० निर्माण विभाग नई दिल्ली का 4 दिसम्बर, 1977 को देहान्त हो गया।

सु० सू० प्रकाश राव, उप प्रशासन निवेशक, इते प्रमुख इजीनियर

मध्य रेलवे

म० एच० पी० बी०/जी०/ए० सी०/पी० एफ०/एम० एम०--श्रोमती माया गुष्ना, श्राय० श्राप्त० ए० एस०, वरिष्ठ कार्यक्रम निर्धारक, बस्बई ने यह इच्छा व्यक्त की है कि विश्वह के पश्चात श्रव उन्हें श्रोमती माया योगानंद विन्हा नाम से सबोधित किया जाए। इसे स्त्रीकार किया गया है श्रीर प्रशासन की पुस्तको में तदनुसार उनका नाम दर्ज किया जायेगा।

पी० म्रार० पुमालकर, महाप्रयन्धक

दक्षिण-मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० बी०/185/जी० ए० जेड/मेंक०--भारतीय रेल यात्तिक इजीनियरी सेवा (परिवीक्षाधीन) के निम्नलिखित प्रिधि-कारियों को दक्षिण मध्य रेलवे पर प्रत्येक के सामने लिखी हुई तारीख मे उसी सेवा की श्रेणी I/ग्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है:--

कम	नाम	स्थायी करने की तारीख
स०		
1.	श्री ग्रार० घोष मजुमदार	6-4-1976
2.	श्री वाई० शिवकंठहारा	1-5-1976
3.	श्री एन० एस० कस्तूरी रगन	30-9-1976
4.	श्री मुखमदिर सिंह	19-1-1977
		टो० एम० तोमस,
		म ह ।प्र बन्ध क

निर्माण, ग्रावास, पूर्ति एव पुनर्वास मन्नालय (पुनर्वास विभाग) मृख्य यात्रिक ग्रभियता का कार्यालय पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

स० पीं 2/104/77--- म अल स्रिभियता-4, पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, गाहुपुर (जिला-बेसून, म० प्र०) के कार्यालय में महायक प्रशासन अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री जय सिंह आहूजा को विभागीय पदोन्नति समिति की सिकारिश पर दिनाक 2-12-1977 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी०') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रशासति दी जाती है। उपर्युक्त दिन से 2 वर्ष की श्रवधि के लिय उन्हें परि-वीक्षा पर रखा जाता है।

श्री जय सिंह श्राहूजा ने दिनाक 2-12-1977 के पूर्वाह्न से लेखा श्रधिकारी के पद का कार्यभार मुख्य यांक्रिक श्रभियता के कार्यालय, पुनर्वास भूमि उद्धार मगठन, जेपुर, जिला कोरापुट (उड़ीसा) में सभाला।

एम० पट्टनायक, स्रॅ॰ कर्नल (सेवा-निवृत्त) मुख्य यात्रिक श्रभियता

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर श्री दण्डायुदपानी हाई स्कूल कमिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० 2864/560 (3)/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीक से तीन माम के श्रवसान पर श्री वण्डायुध्पानी हाई स्कूल कमिद्री

प्राक्ष्वेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर दि सीनापुरम रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनाक 13 दिसम्बर 1977

स० 4663/560 (5)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जाती है कि दि सीनापुरम रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर गुरु ट्रान्सपोर्ट्स लिमिटेड के विषय में।

मद्राम, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

स० 5104/560(5)/77—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि गुरु ट्रान्मपोर्टस लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी मधिनियम, 1956 भौर लक्ष्मी भाटो साइकल्स लिमिटेंड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1977

स० 5512/560(5)/77—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्ष्मी ग्राटो साइकल्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> सी० ग्रच्युतन कम्पनियो का सहायक रजिस्टार, तामिसनाड

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर रफीग-पफीग लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

स० 7025/560 सी० 37/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण म एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख तीन मास के श्रवसान पर रफीग-षफीग लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रीर पेकिंग्स एण्ड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, विनाक 9 विसम्बर, 1977

स० 5472/560 (5)/77—कम्पनी ग्रिधिनियम, [1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतव्ज्ञारा सूचना दी जाती है कि पेकिंग्स एण्ड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर अक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पंचापकेशन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार मद्रास

कंपनी ग्रधिनियम 1956 श्रौर मेसर्स कुडेगली सान्तोना भाईन्स प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

गोवा, दिनांक 18 दिसम्बर, 1977

स० 305/9--कंपनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स कुडेगली सान्तोना माईन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

द० रा० **घरोटे,** कंपनियों का रजिस्ट्रार, गोवा दमण **भौ**र दीव

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 भौर मेटरोपोलीटन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वीडेशन) के विषय में।

जलन्धर, दिनाक 9 दिसम्बर, 1977

म० जी०/स्टेट०/560/162—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेटरोपोलीटन फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड (लिक्बीडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल, कम्पनियो का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स नोलथीयाफाईनेसर्स श्राष्ट्रवेट लिभिटेड, 1225, बाबा हरीण चन्द्र मार्ग, गली लीलाधाली, जयपुर के सम्बन्ध में।

जयपूर, दिनाक 9 विसम्बर, 1977

सं० सान्ध्यिकी/1695—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स नोलथीपा फाईनेंसर्स प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जायणा और कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मेसर्स लिबर्टी क्लब लिभिटेड, द्वारा श्री बसन्त कुमार खथुरिया, पुन्न श्री बहादर चन्द, मस्जिद रोड, कोटा के सम्बन्ध मे

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

स० सास्त्रिकी/1578—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद-छारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेनर्स लिबर्टी क्लब लिमिटेड, कोटा का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशत नहीं किये गये तो रिजस्टर में काट दिया जायगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> राम दयाल कुरील, कम्पनियो का रजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर

भम्पनी अधिनियम 1956 एव मेसर्म सी० इ० ग्राई० इलेक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनाक 12 दिसम्बर, 1977

सं० 14325/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण मे एतद्-क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सतीन मास के ग्रवसान पर मेससं सी० इ० ग्राई० इलेक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किय। गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> श्री राम, कम्पनीयों का सहायक रजिस्टार, महाराष्ट्र

श्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनाक 20 नवम्बर, 1977

स० एफ० 48-ए० डी० (ए टी०)/77-ख० 2--श्री एम० के० दलवी, वैयिक्तिक सहायक, उपाध्यक्ष, आय-कर अपील अधिकरण (उत्तरी अचल), नई दिल्ली को श्री सी० एल० भनोट, सहायक पजोकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीट जिनकी छुट्टी मजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्ति में सहायक पजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीट, नई दिल्ली में र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनाक 14 नवस्वर, 1977 से 13 जनवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रौर यह श्री एम० कें० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रौर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के ग्रिभिगय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी ग्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किये जाने की पालाता ही प्रदान करेगी।

> पी० डी० माथुर, ग्रध्यक्ष

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बबई

बम्बई, दिनाक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश म० १४० इ० -1/ 2027-43/ग्रप्रील 77 — ग्रत, मझे, एफ० जो० फर्नास्डीज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० मी० एस० न० 572 का मालाबार एण्ड कबा० हिल डिबीजन है तथा जो दादी सेठ हिल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, बबई में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 18-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए झम्तरित की गई है और मुझे यह शिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और धम्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निशत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाजत, उक्त ग्रिश्चित्तयम के ग्रिष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (न्न) ऐसो किसी धाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

अत ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यात्:-- (1) श्री दादी एन० जे० दादी, (2) खुरशद एन० जे० दादी, (3) होमी एन० जे० दादी।

(ग्रन्तरक)

(2) मोन्ट बलास होटल्स् प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दो झौर पदो का, जो उकत श्रवि-नियम, के झध्याय 20क में शरिभाषित हैं, बही झर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख न० 982/71 बबर्ष उपर्याजस्ट्रार इम्धिकारी द्वारा दिनाक 18-4-1977 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, बबई

नारीख 13 दिसम्बर, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बंबई

वंबई, विनाक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश स० ३४० ६० 1/ 2031-47/ अप्रै०-77 :— अत , मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज आयकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से ग्रिधक है

श्रौर जिसकी स० सी० एस० नं० 521 कोलाबा डिवीजन है तथा जो ग्रर्थंग बदर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, बंबई म रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लियं अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धन्य ध्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रिष्ठितियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत.—

- (1) श्री ग्रनुर्रामह बसंतराय मगतानी (2) भगवान मिह् बसंत राय सगतानी। (ग्रन्तरक)
- (2) ऋतुर अपार्टमेट को० श्राप० हाउ० सो० लि० (श्रन्तरिती)
- (3) सोसायटी के सदस्य (वह व्यति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख न० 764/72/ बंबई उप रजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनाक 27-4-77 को रजिस्टई किया गया है।

> एफ० जे० फर्नार्न्डाज सक्षय प्राधिकारी, सहायक ग्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 13 दिसम्बर 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 14 दिसम्बर 77

निदेश सं० ए० सी० नयू० 23-1-1297 (614) / 16-6/77-78 .---यत , मुझे, एम० सी० परीख, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 19, नूसन नगर को० श्रो० हा० सोमायटो है, जो कलावाड रोड, राजकोट, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1970 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 24-6-77

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्थों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर बेने के ग्रन्सरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 259-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री योगेण कुमार नरेनदास बडीयानी, पावर ध्रॉफ एटरनी होल्डर, श्री हरजी भाई दया भाई दत्ताणी, रजब महल, 144, महर्षि कारवे रोड, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री नंद किशोर उत्तम लाल मपारा, बैंक श्राफ बड़ौदा, उपलेटा।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्यो भीर पदों का, जो उक्त भ्राधिनियम के ाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं भ्रार्थ होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रम्चल सम्पत्ति जो 331-0-0 वर्ग गज भूमि पर श्थित है तथा जिसका प्लाट न० 19, नूतन नगर को० ग्रो० हाउसिंग सीमायटी है तथा जो कलावाड रोड़ पर राजकोट में स्थित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 14-12-1977 मोहर . प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, कार्यालय श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनाक 14 दिसम्बर 1977

निदेण स० ए.स० सी० क्यू० 23-1-1292 (615) /11-1/-77-78 ——यत., मुझे, ए.स० सी० परीख, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पण्यात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 92, 93, 103, 104, 105 तथा 106 है, जो मजेवाडी गेट के वाहर, जूनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जूनागढ में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रतारण से हुई किसो आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिते; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें, भारतीय शायकर शिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रथ, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अणुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन ज्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैपर्न मयूर कैमी फल्प, मजेवाडी दरवाजा के बाहर, जूनागढ़ ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स माधव इण्डस्ट्रीज की ग्रोर से भागीदार '--मगनलाल जी भाई मजेवाडी गेट के बाहर, जूनागढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति के ग्रर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भो ग्राक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोश्व से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी क्यांक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में [हसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाधित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रवल मम्पत्ति जो जूनागढ़ या न्या गोडाऊन, एक मजिल वाली फिम बिल्डिंग, तथा कम्पाउण्ड वाल है तथा जो 3153 65 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका स्तर प्लाट नं० 92,93, 103,104, 105 तथा 106 है तथा जो मजेबाड़ी गेट के बाहर, जूनागढमें स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-6-77 वाले बिकी दस्तावेज न० 815 में दिया गया है।

> एम० मी० परीख मक्षम प्राधि हारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-12-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तां (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1 कार्यालय

ग्रह्मदाबाद, दिनाक 14 दिसम्बर, 77

निदेश स० ए० सी० नयू० 23-1- 1248 (611) /5-6/77-78 — यतः, मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिस की स० 12, महूवा रोड के पास है, जो एम० टी० वर्कंशाप के मामने, महूवा रोड, सावर क्डला, भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मावर कुडलामें भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाश करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर प्रन्तरक (प्रन्तरको) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या प्रत्य आत्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुभरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:--

- (1) श्री भोहनलाल माधवजी, पावर श्रांफ एटा रनी होलेकर श्री बालाणंकर गिरजाणकर विवेदी, सावरकुडला । (श्रन्तरक)
- (2) युगातर को० भ्रो० हाउसिंग सोमायटी लि०, प्रमुख श्री रमणीकलाल दयालजी, मेक्रेटरी वट्कदास सुन्दरदास, सावरक्ष्टला फोन नं० 364515।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में कियं जा सकेते।

स्पद्धीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दो स्नीर पदो का, जो उक्त श्रधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 38 गुंठा है तथा जिसका सर्वे न० 12 है तथा जो एम० टी० वर्कशाप के पास, दहूब, रोड़ पर सावरक्षुडला में रिथत है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज न० 682 में दिय गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण), ग्रर्जन-रेज 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-12-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज -1, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 77

निदेश स० ए० सी० क्यू० 23-1 -1340(612)/ 16-6/ 77-78 -- यत , मुझे, एस० मी० परीख श्रायकर श्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चातृ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है थीर जिसकी स० डॉ॰ याज्ञिक रोड, राजकोट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिरट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 26-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक और मन्तरक (भ्रन्तरको) भीर (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबन, उद्देन प्रिधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रषातः—

- (1) मबूबेन जयाणकर द्विवेदी, मार्फत कीरीट जयशकर, "पिवृस्मिकी" 3, जनकन्थाण मोसायटी, राजकोट। (श्वन्तरक)
- (2) श्री लाभणकर वजेणकर त्रिवेदी, डॉ॰ याज्ञिक रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री तन्ना
 - श्री इन्दूशाई क्यास
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के शब्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रज्जल सम्पत्ति जो 377-7-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो याज्ञिक रोड पर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 26-4-77 वाले बिक्री वस्तावेज च० 796 में दिया गया है तथा जिसकी सीमाए निम्नलिखित हैं --

पूर्व : 30' का रोड, पश्चिम : डॉ॰ याज्ञिक रोड, उत्तर : 30' का रोड दक्षण : डॉ॰ याज्ञिक रोड,

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाद

तारीखा : 14-12-77

मोहर 🔧

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269ध (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सर तर

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 14 विस≠बर 77

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1 -1341 (613) 12-2/77-78 — पत., मुझे, एम० सी० परीख प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके

पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 980, प्लाट न० 13, धनम्याम सोमायटी है, जो वाणीयावाड नाका के बाहर भूज० में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यान्य, भुज० में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 11-4-77 को

पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृह्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उनत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

शतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्: →

- (1) सामबाई मेघजी खेताणी, सुखपुर, ना० भुज० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र वहलभदास रमैया मेहरग्रसी चै.क, भुज (कच्य)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए क।यैवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की भविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

एक दो मजिला मकान जो 3000 वर्गं फुट पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 980, प्लाट न० 13, घनश्याम नगर है तथा जो वाणीयावाड नाका पर, भुज मे स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भ्रप्रैल, 77 वाले बिक्ती दस्तावेज न० 364 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 14-12-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 5515/76-77 — पत., मुझे, कें पोझन, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० 11/3 मि० वि० रामन रोड, मद्रास -4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेण्ट 247/77) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनु-एसण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269 ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथित् :---3---396GI/77 । श्रीजे०पी० रायन

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती नागरत्नम्माल

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रजेन के सबध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिस में हित- वद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पतों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्राम, मलापुर, सर सि० वि० रामन रोड, डोर स० 11/3 म भृमि क्रौरमकान ।

> के० पोक्सन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

सारीख ' 14-12-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक स्नायकर प्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 9 दिसम्बर 1977

निदेश न० 425 ए०/ अर्जन / सहारनपुर/77-78/ 5539 — अर्जः, मुझे श्रार० पी० भागिव

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्पए से मधिक है

श्रीर जिमकी स० है तथा जो मुज्जफरनगर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मुज्जफरनगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रनरण लिखित में वास्तविक छप से कथित महीं किया गया है:—-

- (क) अग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त मिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त मिथितम की धारा 269 व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निजियन व्यक्तियों, भर्षांच :—-

- श्री छोटा एवं इन्छाराम पुत्रगण राजाराम, निवासी ग्राम वंदरजुडा पोस्ट ग्रापितम सरस्वती नगर, जिला-महारनपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री करनैल सिह पुत्र लहना सिंह, मोभा सिंह, गजन सिंह, रिष्ठपाल सिंह पुत्रगण करनैल सिंह, निवासी ग्राम दादूपुर परगना गोरधनपुर मुक्जफरनगर (ग्रन्तरिनी)

को **शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए** का**र्यवाहियां करता हूं।**

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामी का से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों घीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20क म परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

असल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित गाय दादूपुर परगना गोर-धनपुर मुजफ्फरनगर 85, 000/- के विकथ मृल्य में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भागैव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपूर

सारीख: 9-12-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज , कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1977

निदेण नं० 803 ए०/ ग्रर्जन/गा० वास/77-78/ 5877 :--ग्रनः, मुझे, ग्रार० पी० भार्गव
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो गाजियाबाद मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तिरती (भन्तिरितयो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित मही किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ला) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों तो, जिन्हें भारतीय भाय-कर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर भधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रवं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- श्री राजेन्द्र प्रसाद, पुत्र लखी राम एव श्रीमती किरन गुप्ता पत्नी राजेन्द्र प्रमाद मिवासी 4649-ए दिरियागज, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2 श्री संजय कुमार एव श्रजय कुमार (श्रवयस्क) पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद, पिता एव सरक्षक निवासी 4649 ए० दरियागज, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति प्लाट न० 1 का ½ भाग स्थित किरन एनक्लेब माडेल टाउन जिला गाजियाबाद 31250/- के विक्रय मृत्य में बेची गयी।

> श्चार० पी० भागंव मक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 10-12-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनाक 10 दिसम्बर, 1977

निदेश न० 804 ए० | শ্বৰ্জন | गा० बाद | 7778 | 5876.—-শ্বন:, मुझे श्वार० पी० भागव

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ध्यये से धिक है

श्रीर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-6-1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (धन्तरको) भीर धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के घधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, में उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो श्रिधीत:—~

- (1) श्री राम भरोसे गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी कि 4649 ए० दरियागज नई दिल्ली मुख्तार श्राम विक्रय संपत्ति पन्ना लाल गुप्ता पुत्र काली प्रसाद 105/21, बी० गिरीष घोष रोड लालवा हावड़ा (बगाल)।
 - (म्रन्तरक)
- (2) श्री सजय कुमार एवं अजय कुमार अवयस्क पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद पिता एवं सरक्षक निवासी 4649 ए० दरिया गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण-इसमें प्रयुक्त शन्धी भीर पदो का, जो उक्त मिन्न नियम के ग्रम्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रम्याय में दिया गया है।

अमु सूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० 1 का 1/2 भाग स्थित किरन एनक्लेब । माडेल टाउन जिला गाजियाबाद 31,250/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> भ्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 10-12-1977। मोहर : प्रकप भाई० टी • एन • एस •-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर , दिनाक 10 दिसम्बर, 1977 निदेण न० 384 ए० | अर्जन | कानपुर | 7778 | 5538 .--अतः, सुक्षे स्रार० पी० भागेव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरापुर में, रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1977 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशियम के ग्रिग्रीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या स्रन्य स्नास्तियों की, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्निधिनियम, या धन-कर स्निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत:—

- (1) श्री श्रयोध्या सिह पुत्र ज्वाला सिह निवासी बरन ग्राम परजनी परगना डॅरापुर, जिला कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री विजय सिंह पुत्र गिरवर गिह निवासी परजनी पोस्ट ग्राफिस बरन परगना छेरापुर जिला कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त भ्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृपि भूमि स्थित प्राम परजनी परगना डेरापुर जिला कानपुर 33,000/- के विकय मूल्य में बेची गयी

> ग्नार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेज), कानपुर

तारीखा : 10-12-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर धायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 10 दिसम्बर 1977

निदेश न० 743 ए०/ग्रर्जन/ बु० शहर/ 77-78/ 5540 ---श्रतः, मुझे द्यार० पी० भार्गव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य

25,000/- ए० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी स० है, तथा जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख

मार्च , 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अम्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर धेने के शन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धनया अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय धायकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती क्षारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

ग्रत: श्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के मनसरण मे, मै, उक्त धिधनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातु:---

- (1) श्री गंगा प्रसाद पुत्र भोजराज जिवासी प्रताव पुर पोस्ट ग्राफिस खास परगना ग्रगीता जिला बुलन्दशहर । (भ्रन्तरक)
- (2) थी उम्मेद ग्रानी पुत्र ग्राब्दुल शक्र, यासीन खा पुत्र वली मोहम्मद, शफीक मोहम्मद पुत्र मो० इशाक, गुलेमान पुत्र ऋब्दुल शकूर निवासीगण ग्राम प्रताबपुर परगना श्रगीता पोस्ट श्राफिम खास जिला बुलन्दशहर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता हु।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्रोम प्रताबपुर परगना श्रगौता जिला बुलन्दशहर 44660/- के विश्रय मुल्य में बेची गयी ।

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेज, कानपु^र

नारीखा: 10-12-1977

प्रमण गाई० टी० ए**न० एस०---**-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 10 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 745 ए० | अर्जन | बु० शहर | 7778 | 5541:—— अतः, मुझे आर० पी० भागव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी मं है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ प्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और ध्रन्तरक (अन्तरको) और ध्रन्तरिती (ध्रन्तरिती) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तिया को जिन्हे भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए ।

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अतीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती सरला प्रताप निवामी सुजापुर परगता बरन पोस्ट ग्राफिस धर्मैरा करत, जिला बुलन्दशहर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कृष्णा देवी विधवा स्वर्गीय पूर्योदान सिंह निवासी धर्मैराकरन परगना बरन, जिला बुलन्दशहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (२) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त घट्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधि क्रिक् नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है

अनुस्ची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम काजीपुरा परगना बरन जिला बुलन्दशहर 64,00) के विक्रय मूल्य मे बेची गयी।

> ग्रार० पी० भागेंव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज),कानपुर

तारीखा ' 10-12-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०-

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ध्रम्तसर, दिनांक 24 नवम्बर 1977

निदेश न० श्रमृतसर | 44|77-7 8 '---यतः, मुझे एस० के० गोयल

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी स० श्राई० ई० -11/ श्रार० का० हिस्सा है तथा जो हाइड माकिट श्रमृ तसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रींल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत:, भ्रम, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के प्रधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थान ---

(1) श्री निर्मल चन्द कपूर पुत्र श्री गोकल चन्द कपूर निवासी 159, माडेल टाउन, सोनीपन।

(ग्रम्तरक)

- (2) फर्म परगट सिंह एण्ड सन्स निवासी हाइड माबिट श्रमृतसर द्वारा परगट सिंह पुत्र श्री दियाल सिंह । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर कमा क 2 पर प्रक्रित है ब्रौर यदि कोई किरायेदार हो (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिंधिभोग में सम्पत्ति हो)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उकत अधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

सम्पत्तिनं 1 ई-11/ श्रार का हिस्सा जो हाइड मार्किट श्रमनुसर में स्थित है, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख सब्धा 167 श्रप्रैल, 1977 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शहर श्रमृतसर में लिखा है।

> एस० के० गोयल स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक श्रायकर **ग्रा**युक्त (निरीक्षण) ष्टज[°]न रेज, ष्टमृतसर

तारीख: 24:11:77 मोहर. प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर,दिनोक 24 नवम्बर, 77

निदेश न० श्रमृतसर/ 45/77-78:——यत , मुझे एस० के० गोयल

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 क 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से मधिक है

श्रीर जिसकी मं० श्राई० ई०-11/ श्रार० का हिस्सा है तथा जो हाइड मार्किट, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),/रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गहर-श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख श्रग्रैल, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और झन्तरक (झन्तरकों) धौर झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्थ घास्तियों की, जिन्ह भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या घनकर ग्रीधिनियम, या घनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थोत् :—— 4—396GI/77 1 श्रीमती चर्चल कपूर पत्नी श्री एन० सी० कपूर निवासी 159, माङेल टाउन, सोनीपत ।

(भ्रन्तरक)

- 2 फर्न परगट सिंह एण्ड सन्स , हाइड माफिट, श्रमृतसर द्वारा श्री परगट सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर कमांक 2 पर ग्रंकित है श्रोर यदि कोई कोई किरायेषार हो। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उक्त भिधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभा-षित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति न० 1 ई०-11/ग्रार० का हिस्सा, जो हाइड मार्किट ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख सख्या 166 ग्रप्रैल, 1977 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शहर, ग्रमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

तारीखा: 24-11-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०⊶-श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनाक 12 दिसम्बर 1977

निवेश न० ग्रम्तसर /46/77-78 '— यत', मुझे, एस० के० गोयल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ध्रधिक है

भ्रौरजिसकी स० 'लाट नं० 55 बी० है, तथा जो भ्रार० बी० प्रकाशचन्द रोड ग्रम्तसर में स्थित, है (ग्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय शहर श्रमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरको) ग्रीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण शिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उस्त अधि-नियम के अधीन कर (ने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाे में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भनः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के भनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्तियों, पर्यान्:--

1. श्री जितन्दर पिह श्रग्रयाल पूत्र श्री कुन्दन लाल श्रग्रवाल, निवासी-बाम्बे, 🎵 न० रोष्ट

(ग्रन्तरक)

2 श्री सदाजीत पुत्र श्री मोतीरामविजय कुमार, रमन कुमार, बिमल कुमार पुत्रगण सदाजीत श्रम्प्रवाल, निवासी म० न० 229/11, गली बाम्बे कटरा बाघ, श्रम्तमर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि अपर ऋमारू 2 पर श्रक्ति है और यदि कोई किरायेदारहो (वहब्यक्ति,जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमे हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के ब्रार्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

वह उक्त सपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सबधी ध्यक्तियो पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त **प्र**धिनियम के मध्याय 20一事 परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमु सूची

भू-खण्ड नं० 55-बी, प्रार० बी० प्रकाशचन्द रोड, अमृतसर् जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 188 भ्रप्रैल, 1977 शहर श्रम्तसर में लिखा है।

> एम० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, अमृतसर

तारीख 14-12-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्स, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांकः 12 दिसम्बर 1977

निदेण न० ग्रमृतसर/47/77-78 -- यत , मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट न० 4 है, जो गाईंन कालोनी, श्रमृतमर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शहर-श्रमृतसर म रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1977

की पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिभन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी घ्रायकी बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के घ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे धवने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उस्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निभ्नालिकन व्यक्तियों, ग्रिथीत :——

- 1 श्रीमती कृष्णावती पत्नी श्री रामलाल निवासी किला भंगीयान, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- य नवंश्री रवी कुमार, राजिन्दर कुमार, राकेण कुमार पुत्रगणश्री रोणनलाल, निवासी कटरा दूलो, ग्रम्तसर (ग्रन्तरिती)
- 3 जैमा कि ऊपर क्रमाक 2 पर श्रक्तित है श्रीर यदि कोई ब्यक्ति हो (वह ब्यक्ति, जिस के श्रिक्षिभोग मे सपत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गिच रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बार में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड न० 4, गार्डेन कालोनी, टाउन प्लानिंग आफिस केपास जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख मख्या 373 श्रप्रैल, 1977 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शहर अमृतसर म लिखा है।

> एस० के० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) : अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख . 12-12-77 मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

भायकर घाध्रनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ(1) के ग्रजीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

प्रमृतसर, दिनाक 12 दिसम्बर 1977

निदेश नं० श्रमृतसर /48/77-78 — यत , मुझे, एस० के० गोयल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धििनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से धिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो वसीधा सिंह रोड, ग्रमृतस र में स्थित हैं (श्रीर असमें उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रींल, 1977 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियो को, जिन्हें भारतीय झाय-कर झिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिधिनियम या धन-कर झिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियो, अर्थात् :-- श्री प्रेमनाथ पुत्र श्री मायाराम एवं श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री मायाराम , निवासी कटरा खजाना गली जिल्यान, ग्रम्तसर

(ग्रन्तरक)

2. श्री सोमनाथ पुत्र श्री रामधन मल, निवासी कोटी नं० 95, गली नं० 3, दयानन्द नगर श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उपर ऋमाक 2 पर ऋकित है श्रीर यदि कोई किराग्रेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग सम्पत्ति है)।
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों घौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं धर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम् सुची

भू-खण्ड जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सख्या 73 मप्रीस, 1977 मे रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी शहर, श्रमृतसर मे सिखा है।

> एस० के० गोयक्ष, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

तारीखा ' मोहर: प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निदेण न० 156/ए क्यू० — प्रतः, मुझे प्रमर सिंह बिसेन, भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिमकी स० 385, वार्ड नं० 5 भरोलीबाजार, देवरिया में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्थिकारी के कार्यालय, देवरिया में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरका) भीर भन्तरिती (भन्त-रितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की यावल, उदत ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य ग्रास्तिमों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269ग के सनुसरण में, मैं, उन्त श्रीधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन 1 श्री बैताल पुर सुगर मिल देवरिया

(ग्रन्तरक)

2. श्रीपृथ्वी राज अरोरा, वैतालपुर सुगर मिल, देवरिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्केंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त मिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्ब होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ध्रचल सम्पत्ति न० 385, वार्ड नं० 5, स्थित भरौली बाजार टप्पा देविरिया, परगना सलेमपुर मझौली, जिला देविरिया मकान भूमि सिहत तिसरा क्षेत्रफल | 4247 स्कुयर फीट जैसा कि फार्म 37-जी० नं० 532 दिनाक 1-4-77 तथा सेल डीड् दिनाक 31-3-77 में है ध्र्य रजिस्ट्रार देविरिया कार्यालय मे दर्ज हैं।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक** आयकर **धायु**क्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

षासकर सिक्षित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 3दिसम्बर 77

निदेण नं० 156-एस० / ए० सी० क्यू० --श्रःतः, मुझे श्रमर सिंह बिसेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13, 14 है तथा जो जापिलग रोड लखनऊ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खं) ऐसी किसी माय या किसी घन या अभ्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अिंघनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, भै; उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, श्रर्थात् :— (1) श्री कवर विश्व जीत सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सूषमा प्रप्रवाल विकता

(ग्रन्तिरती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्यक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक किता प्लाट न० 13,14 में से एक लाट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट है जो कि जापर्लिग रोड लखनऊ में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज लखनऊ

तारीख: 3-12-77

मोहर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 3 दिसम्बर 77

निदेशन ० 17-टी० / ए० सी० क्यू० --- अत., मुझे, अमर सिह विसेन आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 13, 14 है, तथा जो जापिलग रोड, लखनऊ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) स्नन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

श्रतः ध्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ध्रमुसरण में, भैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित क्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री कुवर विश्वाजीत सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री त्रिलोकी भूषण दास

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसर्ची

एक किता प्लाट नं० 13, 14 में से एक प्लाट जिसका रकब 7084 वर्गफीट है जो कि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-12-77

प्ररूप साई० टी० एन० एस०⊸-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन क्षेत्र लखनक

लखनक, दिनाक 3 दिसम्बर 77

निदेश नं० 36 जी० /ए० सी० **ए**क्यू० '—श्रत:, मुझे ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

श्रीर जिसकी सख्या 13,14 है, तथा जो जापलिंग रोष्ड-लखनक में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार
मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई
है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का जियत बाजार मूह्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से घधिक है धौर मन्तरक
(धन्तरकों) धौर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण
के लिए ध्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठितियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सब, उक्त घिषिनियम की धारा 269 गृके सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) सधीम के निम्नलिखित स्थक्तियों, प्रयत् :— (1) श्री कुबर विश्वाजीत सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोवर्धन दास प्रग्रवाल

(श्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की प्रविध मा तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविष, जो भी धविष क्षय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रस्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक किता प्लाट नं० 13,14 का प्लाट नं० 1 जिसका रक्तबा 6637.50 वर्ग फीट है जो कि जापिलग रोड लखनक में स्थित है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3/12/77

प्ररुप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961का 43)की म्रारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 3 विसम्बर, 1977

निदेश नं पी०-62 /ए०सी०न्यू० .—-ग्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 385 वार्ड न० 5 भरौली बाजार, देवरिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवरिया में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिक्ष है भीर यह कि मन्तरक (अन्तरको) और मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियो, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखनियम या धन-कर ग्रिखनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिनाने मे सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रिश्चितियम की धारा 269-भ के ग्रनुसरण में, में उक्त ग्रिश्चित्यम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :— 5—396G177 (1) मैंसर्स न्यूसेनान सुगर एण्ड गुड रिफाईनिंग कम्पनी लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पृथ्वीराज श्रारोरा डिस्ट्रिक इस्पेक्टर आफ़ स्कुल देवरिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अपिलत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकी।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो घौर पदों का, जो उनत श्रधिनयम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान नं० 385 वार्ड न० 5 स्थित भरौली बाजार, टप्पा देवरिया, परगना सलेम पुर, जिला देवरिया।

उत्तर: सिधी मिल मालिक की निजी सड़क

दक्षिण: श्री बच्ची मारवाड़ी का मकान श्रीर बिगया पश्चिम: उक्त सम्पत्ति की सीमादीवाल को छुते हुए खुला मैदान जो सिधी मिल का है,

पूरब . देवरिया कसिया रोद।

पैमाईश भूमि सहित एक मिजला मकान जिसका कुल क्षेत्र फल 14247 स्कृथर फीट तथा वे सभी विवरण जो सेल डीड तथा फ़ार्मन ० 36 जी संख्या 530 दिनाक 1-4-1977 म वर्णित है जो सब-रिजस्ट्रार देविरिया के कार्यालय में दर्ज है।

श्रमर सिंह विसेम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेज लखन

तारीखा : 3/12/77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 3 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 124/ग्रार०/ए०सी०क्यू०/——श्रन मुझे ग्रमर सिंह बिसेन

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 13, 14 है, तथा जो जापलिंग रोष्ठ, लखनऊ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 17-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई कि नो भाय की बाधत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्य भन्तिरिसी द्वारा भकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, मा उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:-- 1 श्री कुवर विशवजीत सिह

(भ्रन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र ग्रग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

3 विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट न० 13, 14 में से एक प्लाट जिसका राज्या 4439 वर्ग फिट है जोकि जापिलग रोड, लखनऊ म स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लखनऊ

तारी**ख**ं 3-12-77 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखन ऊ, विनाक 3 दिसम्बर 1977

निदेश स० 46-जें/ए०सी०क्यू०—श्रतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन,

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० 13 14 है तथा जो जापिलग रोड, लखनऊ में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 17-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिवात व्याक्तियो, प्रयोत्:--- 1 श्री क्वर विश्वजीत सिंह

(श्रन्तरक)

2 श्री जमुना दास ग्रग्रवाल

(अन्तरिती)

3 विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सबध में कोई भी शक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनयम' के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रन<u>ु</u>सूची

एक किता प्लाट न० 13, 14 में से एक प्लाट जिसका रकवा 4439 वर्ग फिट है जोकि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 3-12-77

प्ररूप घाई • टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनक

लखनऊ, दिनाक 3 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल०-26/ए०सी०क्यू०/---अतः मुझे अमर सिह बिसेन

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 13, 14 है तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 17-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधिनियम के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; झौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्राय्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत :--- (1) श्री कुबर विशवजीत सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द्र अग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विलिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण: -- इस में प्रमुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट न० 13, 14 में से एक प्लम्स्ट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट हैं जो कि जापलिंग रोड लखनऊ में स्थित हैं।

> म्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रिषकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्र्युक्त रेंज लखनक।

तारीख: 3-12-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 3 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 19-एम० / ए० मी० क्यू० :---ग्रतः, मुझे ग्रमर सिंह बिसेन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 13, 14 है, तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भ्रव, उक्त भ्रमिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन. निम्नलिश्चित व्यक्तियो, श्रयांतु:—~ (1) श्री क्षर विश्वाजीत सिह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महीपाल सिह

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीविक्रता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंत के संबंध में कोई भी घाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो घौर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20 क मे यथा परिमा-वित हैं, वही मधे होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 13, 14 में से एक प्लाट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट हैं जो कि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित हैं।

> श्रमर सिह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखमऊ

तारीख: 3-12-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 7 दिसम्बर, 1977

निदेश नं ० पी०-63/ ए० सी० न्यू०—यतः, मुझे, श्रमर सिंह बिसेन आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/—

रुपये से मधिक है भौर जिसकी स० 3, सी-47/ 90 है, तथा जो ऐबट रोड (विधान सभा मार्ग) लखनक में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी

अनुपूर्वा में आर्ट रूप रूप से पाणित है), राजस्त्राकता आवकारा के कार्यालय, लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है भीर धन्तरक (धन्तरको) भीर धन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या धन्य घ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत् :— (1) कु० जन्रीन बरजार विकाजी (2) कु० रुद्धी बुरजार विकाजी (3) श्री मानिक विकाजी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरी देवी

(भ्रन्तरिती)

(3) कुमारी जरीन विकाजी, कु० रुद्धी श्री मानिक विकाजी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो जक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

Dilapideted मकान सख्या 3, सी-47/ 90,91 एवं 92 ऐबट रोड विधान सभा मार्ग, लखनऊ जैसा कि मार्ग 37 जी नं 0 1342 दिनांक 24-4-77 में तथा सेल डीड में बर्णित है जोकि चीफ सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रमर सिंह बिसेन सिक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 7-12-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 7 विसम्बर 7 🌤

निदेश नं ० 157-एस० / ए० सी० न्यू० ----ग्रतः, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ∙ से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० 2-वी/35 है, तथा जो रामपुर बाग, बरेली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 15-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः---

- (1) श्री नवाब सैय्यद मुर्तजा अलीखा। (अपन्तरक)
- (2) श्रीमती साफिया श्रामक श्रली खां। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यक्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्तस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो घौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के झध्याय 20-क मे यथा परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

जुज हिस्सा भूमि मय मकान न० 2-यू/35 जो कि रामपुर बाग सिविल लाइन बरेली में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-12-77

प्ररूप माई ब्टी ब्लन ब्लस ---

म्नासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>मायकर मायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्रर्जन रेंज, धारवाड़

धांरवाड़-580004, दिनाक 14 विसम्बर 1977

निर्देश सं० 196/77-78/ग्रर्जन :---ग्रतः, मुझे डि॰ सी० राजागोपालन,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० 270/1, है जो उघार गिल, खास बाग के यहा है में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे धीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेलगाम भ्रन्डर डाकुमेन्ट नं० 2439, मे रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 25-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि मन्तरक (मन्तरको) और मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/पा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमियम, या घन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उकतः अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् :— 1. श्री लक्ष्मण गंगाधर भड़ारी, खासबाग, बेलगाम

(भ्रन्तरक)

- 1. श्रोमती पुष्पा देवी रामेश्रर लाल जीसि
- 2. श्री रामकुमार राजाराम जोसि उचार गिल खासबाग, बेलगाम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चित्यम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

पावर लूम फैक्टरी का बिल्डिंग में ग्राफिस रूम कारशेड भीर ग्राउट हाउस, ग्रप्पर गिल खासबाग बेलगाम के यहां है। हाउस नं० 270/1, खुला जगा 4875 स्कृथर फ़ीट है।

> डिं० सी ० राजागोपालन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, धारवाड़

तारीख: 14-12-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनाक 7 दिसम्बर, 1977

सं० ग्रार० ए० सी. 155/ 77-78 -—यत', मुझे के० एम० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसका श्राफ़िस न० 235 है, जो चन्द्रलोक भवन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख शर्पन 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचन मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-म की उपभारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्।———396G1/77

- 1. श्री स्वास्ताक कन्स्ट्रवशन कम्पनी एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. (1) कुमारी एस० स्राप्रना (2) श्रीमती कौशल्या देवी घर नं० 3-6-546/5 होगयतनगर, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी श्रविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 235 दुसरी मजिल सतापर चन्द्रलोक भवन पर एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री कराई गई है। दस्तावेज नं० 647/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1977

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 दिसम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 156/77-78 .— पत \cdot , मुझे, के० एस० वेंकट रामन

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय न० 310 भ्रीण 311 है, जो चन्द्रलोक भवन में स्थित है (ग्रीर इमसे उपायद्ध श्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है और मन्तरक (भन्तरको) धौर अन्तरितो (धन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिधिनियम के मधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने पाउससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की भ्राप 269-ग के भ्रमुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों भर्षात्।—

- 1. स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन अम्पनी सिकन्धराबाद म (ग्रन्तरक)
- 2 श्री ए० बी० प्रताप रेड्डी, प्लाट न०-4 डीमलमुडा हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस घट्याय में दिया गया है ।

घनुसूची

कार्यालय नं० 310 ग्रीर 311 तीसरी मजिल पर चन्द्रलोक भवन पर एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में रिजस्ट्री की गई है दस्ताबेंज नं० 651/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० बेक्ट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख . 7-12-1977 मोहर :

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 दिसम्बर 1977

म० ग्रार० ए० मी० 157/ 77-78 ---यत , मुझे, के० एस० वेकट रामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 312 श्रीर 313 है, जो चन्द्रलोक भवन में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रिजन, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का निचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्टक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रर्थात् :—

- स्वास्तिक कन्स्ट्रन्यान कम्पनी एस० डी० रास्ता, सिकन्दराबाद (अन्तरक)
- 2: श्री ए० वी० महीपाल रेड्डी, प्लाट न०-4 दोमलगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 312 ग्रौर 313 तीसरी मजिला पर चन्द्रलोक भवन पर एस० डी० रास्ता मिकन्दराबाद मे रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 652/77 उप रजिस्ट्री कार्याक्षय सिकन्दराबाद म ।

के० एस० वेंकट रामन
सिक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**खा** : 7-12-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 9दिसम्बर 1977

स० श्रार० ए० सी० - 158/77-78 :——यत , मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से प्रधिक हैं

श्रौर जिमकी स॰ 22-5-68 ता॰ 71 है, जो चारमीनार में स्थित है (श्रौर इससे उपापढ़ श्रनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रस, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भौर मन्तरक (अन्तरको) और मन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या धन्य म्नास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवं उक्तं मधिनियम की धारा 269म के भ्रमुसरण म में. उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपघारा (1) के अधीन, निम्मिक्षित व्यक्तियों, अभीत्:——

- (1) श्री उमाकरन, (2) बीजयकरन उमाकरर न०2 का श्रदीपति है (3) तेजकरन तमाम रहते है घर न० 8-2-547 बनजारा हील्म हैदरायबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बीना देवी पती गुलाबच्च हैदराबाद घर 22-5-68 ता० 71 चारमीनार हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

(3) 1 बासीत(2) राजकुमार घर न० 22-5-68 ता० 71 चारमीनार हैदराबाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भविद्य सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वो मिजिला घर न० 22-5-68 ता० 22-5-71 चारमीनार हैदराबाद रिजस्ट्री की गई है दस्ताबेज न० 588/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय श्रजमपुरा हैदराबाद श्रीर जिसक विस्तीण 220 05 याँ यार्ड है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज . हैदराबाद

सारीख: 9-12-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--- -

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजँन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० ग्राप्य ए० सी० 159/77-78:---यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

जिसकी स० कुल जमीन 5-7-665 है, जो कनटेण्वर रास्ता नैजामाबाद में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नैजामा-बाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-4-77

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तिन्त की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्बह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तिरती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त घन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उनत प्रधिनियम की ग्रारा 269ग के ग्रनु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- (1) श्री एम० श्राननदय पिता एम० वेक्ट रमगय्या (2) श्रो० एम० शर्मा कनदेश्वर रस्ता नैजामाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवीदाम राय पिता श्रननतराय मगदी श्रारमर तालूक हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहिया करता ह।

उन्त सपत्ति के ग्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कुल जमीन जिसका न० 5-7-665 कनदेशधर रास्ता नैजामाबाद विस्तीर्ण है 327-96 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 1745/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद म

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैरादाबाद

तारीख: 9-12-77

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर 1977

स० ग्रार० ए० सी० 160/77-78 — -यत., मुझे के० एस० वेंकटरामन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन 7-11-1079/5 है, जो नैजामाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में रिज़स्ट्रीकर्रा ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख ग्रील, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से श्रीधक है और प्रन्तरक (शन्तरको) और भन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मन, उक्त मांधनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण मे, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात:--- (1) श्री सहा गोपालदान पिता शझवामनदास घर न० 7-6-566 गनदीगनज नैजामाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शनवा बाई पती लखमीचन्द घर न०6-20-52 शुरबनश्राबादो रोड नैजामाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के <mark>प्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सपत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो
 में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखारें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिसबा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, बही भ्रर्थहोगा, जो उस भ्रष्टयाय मे दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन धीका नं० 7-11-1079/5 लाला लधपती गनज (परिधीकमपैन्ड) नैजामाबाद रिजम्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1753/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

> के० एस० वेकटरामन मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख . 9-12-1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर 1977

म० श्रार० ए० मी० न० 161/77-78 .——यत , मुझे के० एम० वेकटरामन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

स्रीर जिसकी मं० 1/4 बाग न० 3/313, 3/914 में है, जो बड़ा बाजार नैजामाबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरकों स्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की आश्रत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भ्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमित्:—

- (1) श्री डी० पोशम्मा पती स्वर्गीय डी० मलय्या 2 डी० बक्षणपती पिता स्वर्गीय डी० मलय्या घर न० 7-7-123 कमार गली नैजामाबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सरमीमल पिता लीनगम्मा घर नं० 3-11-33 श्रोशोकवीडी नैजामाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्वों ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रवि-नियम के शब्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस शब्याय में विया गया है ।

अनुसूची

1/4 बाग घर न० 3/913 श्रौर 3/914 में श्रौर मलगी नं० 3/915 जिसका विस्तीर्ण 2605 वर्ग यार्ड है बड़ा बाजार नैजामाबाद में रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1449/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामांबाद में।

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 9-12-77

प्ररूप श्राई० टो० एन० एस०-----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 77

स० ग्रार० ए० सी० नं० 162/77-78 :— यतः, मुझे के० एस० वेकटरामन भ्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ० से ग्रिविक है

भीर जिसकी स० कुल जमीन न० 5-7-665 है, जो कनटेश्वर रास्ता नैजामाबाद में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भ्रप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरको) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ध्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

अतः, ग्रम, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों ग्रथीत् :-- (1) श्री एस० ग्रान्तदम ग्रीर एस० गर्मा नं० 5-7-665 कनटेशवर रास्ता नैजामाबाद मे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश राय पिता गनगधां राय मगई रास्ता श्रारमूर तालूक नैजामाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उब्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

- (क) इस सूचना के राजपहा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य अ्थित द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्य होगा, जो उस ग्रद्याय में दिया गंपा है।

अमु सुची

कुल जमीन जिसका विस्तीर्ण 370 वर्ग यार्ड घर नं० 5-7-665 कनटेशवर रास्ता नैजामाबाद में है रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1430/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

कें० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिभाक 9 दिसम्बर 1977

स० ग्रार० ए० मी० 163/77-78 — यत , मुझे के० एस० वेकटरामन

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० 53/2 XVII वार्ड है, जो गीनीमा कारकाना मादावरम रास्ता अवोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अदोनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 14-4-77

पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तिरित की गई है, भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से ध्रिष्ठक है भौर मन्तरक (मन्तरको) भौर मन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रबं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्णात्:— 7—396GI/77 (1) एस० रामाराउ (2) एस० सुन्द्रीन्द्राराय भागीदार है स्त्री परीमला गीनीरा कारकाना यादाव^रम रास्ता श्रदोनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्ग दीपक ट्रांन्सपोर्ट एजेन्सी फ़ीनकामा हैदराबाद भागीदार णीवजी पिता वीरजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे '

हपडटी सरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुस्ची

स्त्री परीमला गीनीम कारकाना ग्रदोनी नं० 53/2 XVII वार्ड न० है विस्तिन 1.94 सेनदस रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 621/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय श्रदोनी श्राजु बाजु में

पूर्व टी० जी० गोपाल सेटी, मलीकार्जुन सेटी जमीन है

पश्चिम : मेदर ईरनमानम की जमीन।

उत्तर : कारकाना है। दक्षिण : वेनकट नाराप्पा की जमीन है।

> क्षे० एस० वेंकटरामन मक्षम प्राधिकारी., महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हुतारीख : 9-12-1977 I

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० श्रार० ए० सी० तं० 164/77-78.—-यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स० 8-3-318/6 है, जो युमुफ गुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कैम्ताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रन्तरक (धन्तरको) धौर धन्तरिती (प्रन्तिरितयो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए;

मत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अक्षीम निम्नलिखित व्यक्तियो, प्रयोत :---

(1) श्री कें बी० रतना शास्त्री कोबुर, वेस्ट गोदावरीं है जी० पी० ए० है श्रीमती सी० सीनारामस्मा का, (2) श्रीमती सी० जेंगु (3) डाक्टर मी० वेंनकटारस्मा (4) सी० राम प्रसाद (5) वाई० सर्यावती, (6) सी० सुवाणीनी घर न० 16-2-677/2 मलकपेट हैदराबाद।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री वै० किणनराय केमीकल एक जमीन घर न० 8-3-318/6 युनुफगुडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गा क्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीक्रणः --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पद्दो का, जो उक्त प्रधिनियम, के भव्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-418/6 युमुकगुड़ा हैदराबाद रिजस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 788/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में।

कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज हैदराबाद ।

नारीख : 9-12-1977

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

षायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज , हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर 1977

स० श्रार० ए० सी० 165/77-78 — -यतः, मुझे के० एम० वेंकटरामन

. आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उद्धत श्रधिनियम' कहा गया है), की ारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/— हपए से श्रधिक है ग्रीर जिसकी

श्रीर जिसकी स० स० 10-3-434 है, जो विजयनगर कालोनी, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद केरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख 5-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्त्रिक रूप से जाया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्त्रिक रूप से जाया ती किया गया है :——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर झिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिधिनियम, या धन-कर झिधिनियम, या धन-कर झिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-- (1) श्रीह्नीन शामस घर न० 5-4-701 पुराना कटल मण्डी हैदरानाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्रकतर जहान पति सब्दुलरहमान घर न० 107-2 स्नार० टी० विजयनगर कालोनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों शा, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-3-434 विजयनगर कालोनी हैदराबाद रिजस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 796/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 9-12-1977।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर 1977]

स० फ्रा^र० ए० सी० 166/77-78 :—-पन⁻, मुझे, के०एस० वेकटरामन

भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के घिन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में घिषक है और जिसकी स० 11-4-650 लकड़ी का पुल हैदराबाद म स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरक (ध्रम्तरकों) भीर धन्तरिती (ध्रम्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्रय से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की श्वाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्रा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जःना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मे, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित क्यक्तियो, श्रथीत्:— (1) श्रीमती महमूद बेगम पति महमद इलयाम यैमदी ''बैतुलनुर'' एम० जनरा के सामने रास्ता न० नं० 1 बनजारा हील हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टरनुरुई।न (2) श्रीमती फेरोज सुलताना जी० पी० स्रो० डाकघर सिकीर है घरन० 23-2-141 मोगलपुरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वी≆त सम्भत्ति के स्रर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति क्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेगे।

ह्वाद्वीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर न० 11-4-650 लक्डी का पुल हैदराजाद में है रिजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 988/77 उप रिजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में ।

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **धायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 9-12-1977

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर 1977

स० थ्रार० ए० सी० न० 167/ 77-78 — यत, मुझे, के० एस० वेकटरामन आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इगके पश्चात् 'उवत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से अधिक है

श्रीर जिसकी स० टी० एस० न० 485/18 है, जो शान्ती नगर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वीरुपती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-4-77

के प्रधीन, तारीख 30-4-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं हिया गया है:---

- (क) प्रत्तरग ने हुई किनो आप की बाबत उस्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बर्वन में मुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के मनुमरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री वी० एम० गोविन्दय्या 293 नन्दामुनी गली तिरुपति।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती महालगम्ममा भारती कैंदवार पति दशरत नायडु वीररागवपुरम पुनीमनगडु धोपशनपेट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करना ह।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रष्ट्याय 20-क मे यथापरिनापित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

घर न० टी० एस० न० 485 वार्ड न० 18 सान्तीस्थार कालोनी तिरुपित रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 766/71 उप रजिस्ट्री कार्यालय तिरुपित में।

> कं० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज : हैदराबाद

नारीख ' 9-12-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , हैदराबाद

हैदराबाद, दिभाक 12 दिसम्बर 1977

स० ग्रार० ए० सी० 168/77-78---यत मुझे, के० एस० वेकट रामन

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके प्रशान 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू० से ग्रधिक है और जिसकी स० खुली जमीन प्लाट न० 8-2-268/ए2 है, जो लुबली हील में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद ग्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बश्स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त मिधिनियम' के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर; या
- (ख) ऐसी किसी बार पा किसी बन पा बन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ब्रिधिनियम', या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्न श्रिप्तियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थान् :---

- 1 (1) ईकबाल हुसैन पिना दील्दार हुसैन, 8-2-268/ए.2, रास्ता न० 3 बनजारा हिल्स, हैदगबाद ।
 - (2) सैयद मुह्म्मद अली, श्रीमती रजीया बेगम, 8-2-405, बनजारा हिल्म, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

अनील कुमार अग्रवाल नं० 73.
 भी नगर कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो 'उवत घधि-नियम', के भ्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुनी जमीन वास्तीर्ण . 1180 वर्ग याई—जुबली हीत्स, हैदराबाद, पहले कुलीजमी थी सामने वार्ला घर न० 268 जी, बाई ब्लाक न० 4 जुबली हीन्स हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 1 D/2/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद मे।

> कें० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज : हैदराबाद

तारीख . 12-12-1977 मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के ग्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायक^र श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 दिसम्बर 77

स० भ्रार० ए० सी० 169/77-78 '---यत , मुझे, के०एस०

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उ**चित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्र**धिक है**

भौर जिसकी सं० 735/बी० वार्डनं० 9 है, जो सान्ता पेट नेलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूनी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेलूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण-है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया पतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त मधिनियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में सुविधा के लिए;

प्रतः भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269- घकी उपधारा (1) के ग्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात:--

(1) श्री दारीमी नारायना पिता गुरवय्या जीनीवाला गली नेलूर, (2) पुवेडी तोरुपतय्था पिता रामय्या शान्तापेट नेलुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ईमीही भेही लशमीकानतय्या पति धोना वेनकाटेश्वरल कस्तूरी वीटीनगर नेलुर ।

(श्रन्ति रती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकृत के तिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बधी व्यक्तियो पर सुचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं 735/बी वार्ड नं 9 शान्ना पेट। नेलूर, रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 734/77 उपर्ग्जिस्ट्री कार्यालय नेलूर मे।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम अधिकारी, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज हैदराबाद

नारीखः 12-12-77

मोहर्.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज , हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

मं० ग्रार० ए० सी० न० 170/77-78:—–यत⁻, मुझे के० एस० वेकटरामन,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं ए०-2 एफ०-4 पुनम श्रपार्टमेट है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (प्रन्तरको) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रिष्ठितयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रथित .~ (1) मैं मर्स श्रसोसीयेटेड बिलडर्स और रीयल एस्टेट एजेन्टस, पार्टनर श्रीमती पुष्पलता पति रतन लाल-तोताराम सागर मल श्राबिद रास्ता हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता चन्द्रा पित बीनोद चन्द्रा 5-8-4-स्टेशन रोड नामपली हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न ० ए०-2 एफ०-4 दूसरा मंजिला पुनम भ्रपार्टमेन्ट मैं० नं० 5-8-512 बा० 517-सी० चीरागली लेन हैंदराबाद में रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 821/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> ़के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-12-1977

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-म (1) के भ्रमीन सूचना भारत सरकार

71 (6 (1 (1))

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 दिसम्बर, 1977

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 171/77-78 :——यतः, मुझे के० एस० वेकटरामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 5-8-322/14 है, जो नामपल्ली हैदराबाद्य में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, घोर प्रन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक केदायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रयीत्:---8—396GI/77 (1) श्री मोहम्मद इब्राइम (2) मोहम्मद याकुब बाजार गेट हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामीयन श्राटो कन्स्ट्रवंशन उसकी चलाने वाले भागीदार मुह्म्मद मुकरम श्रली 11-2-21 नामपल्ली हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रव्याय 20-क में यथापरिभाषित है वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है

ग्रनुसूची

घर नं० 5-8-322/14 उमाबाग नामपल्ली हैवराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 883/77 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे ।

> के० एम० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) । ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-12-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1977

स० ग्रार० ए० सी० 172/77-78 .—यत , मुझे के० एस० वेकटरामन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकीं मं० प्लाट विस्तीर्ण 400 वर्ग यार्ड है, जो नामपल्लीं में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 27-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोगनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः; अन, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियो. अर्थात्:— (1) श्रीमती कादरी बेगम पति सैयद मुहम्मद रजवी घर नं० 7-1-47 सनजीवारेड्डी नगर कालोनी हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जहीदा बेगम पित एम० में मजीव 11-2-1187 नामपल्ली हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपदशीकरण .---इसम प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उप श्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

कुल जमीन विस्तीर्ण 400 वर्ग यार्ड रेड हील्म नामपल्ली हैदराबाद में है रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 859/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख़ : 12-12-1977

भारत मरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज सोनीपत

रोहनक दिनाक 17 दिसम्बर, 1977

निदेश सं० चण्डीगढ /3/77-78 .—-यन⁻, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० मे अधिक है

भौर जिसकी स० म्लाट न० 10 सैक्टर 16-डी०, चण्डी-गढ़ में स्थित है (भौर इसमे उनाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रमेंल, 1977।

पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐनी किमी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के **ग्रनु**-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्तिरिखत व्यक्तियो, ग्रयीत्:—— (1) श्रा बेग्नन्त सिंह पुत्र श्री हरी सिंह मकान न० 59/19-ए० चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री म्रार० एल० गुगनेजा पुत्र श्री हरिकशन लाल 2. श्रीमित पी० गुगनेजा पत्नी श्री म्रार० एल० गुगनेजा, मकान न० 1079, मैक्टर 23 चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्शेक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

रिहायशी प्लाट जिसका सकान न० 642 सैक्टर 16-डी० चण्डीगढ है श्रीर जिसका रकवा 524-54 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ कार्यालय में कमाक न० 73 मास श्रप्रैल, 1977 पर दर्ज है)

> रवीन्द्र कमार पठानिया मक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज रोहुनक

तारीख: 17-12-1977

मोहर

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निदेश सं० पी० एन० पी०/1/77-78—यत⁻, मुझे, रवीन्द्र कमार पठानिया

हायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिधिक है,

श्रोर जिसकी सं० ई-14, इण्डस्ट्रयल एरिया, पानीपत है तथा जो पानीपत में स्थित हैं (श्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत: ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात: --- (1) श्री दीनानाथ पुक्ष श्री नन्द स्वरूप पुत्र श्री हरनाम दास, गुड,मंडी,पानीपत।

(श्रन्तरक)

(2) सर्वश्री भगवान दास, माथरा दास, श्रोम प्रकाश पुतान श्री चिरन्जी लाल मार्फत भोजा राम चिरन्जी लाल कमीशन एजेट, मंडी पदमपुर (राजस्थान) या मै० श्रोम दाल एण्ड ग्रायल मिल ई-14, इण्डस्ट्रयल एरिया, पानीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता ह।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की धविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी ग्रन्य व्यक्ति ग्लारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त सब्दो भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फैंक्टरी बिल्डिंग न० ई-14, इण्डस्ट्रयल एरिया पानीपत जिसमे दाल प्लाट शैंड, गोदाम ग्रीर कार्यालय ब्लाक है ग्रीर जिसका रक्तबा 2502 5 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत के रजिस्टर पर कमाक 7106 (फरवरी, 1977) तथा 11 (अप्रैल, 1977) मे विखाई गई है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायु**क्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा : 19-12-1977

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

मायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहनक

गोहनक, दिनाक 19 दिसम्बर 77

निदेश स० जगाधरी/8/77-78—-यतः, मुझे, रवीन्द्र क्मार पठानिया

आयकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट जिसका रक्षवा 85'×165' है तथा जो तेजली, तिह्० जगाधरी में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भिक्षितयम, के श्रधीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा(1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः—

- (1) श्रीमित श्रलीवना वाईलट दत्ता धर्मपत्नी श्री डब्ल्यू० दत्ता निवासी मापरी तहि० जगाधरी (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्री शिव कुमार पुत्र श्री निहाल चन्द्र
 - श्रीमित मधू परिन श्री श्रोम प्रकाण निवासी 1309 गुरुद्वारा पेपर मिल्स के नजदीक यमुना नगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनस श्रिधिनयम के श्रद्याय 20-क में परिकाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट जिसका रकबा $85' \times 165'$ हैं और तीन श्रोर में दीवार में घरी हुई है जिसमें एक चौकीदार का कमरा है श्रीर गाव तेजली, तहिं० जगाधरी में स्थित है।

"सम्पत्ति जमें के रिजस्ट्री न० 580 में दी है श्रीर रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में 23-5-1977 को जगाधरी में दरज की गई।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 19-12-1977

मोहर.

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 19 दिसम्बर 1977

निदेश सं० जगाधरी /9/77-78 —-श्रतः, मुझे, रवीन्द्र कमार पठानिया

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 'लाट जो के 75' × 185' है तथा जो तेजली तहि० जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16), के श्रिधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह्र प्रतिशत से ग्रधिक है, और भ्रन्तरक (श्रन्तरको) भीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्तिचित व्यक्तियों, अथीत:--- (1) श्रीमति अलियना बाईलट दत्ता पत्नि डब्ल्यू० दक्कः निवासी मापरी, जगाधरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री मोहन लाल

2 श्री दरणन कुमार

3 श्री केवल कुमार पुत्रान श्री वरन दास निवासी मकान न० 309, जनता स्ट्रीट नजदीक जोगिन्द्र मार्किट, यमना नगर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना कै राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रथे होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

ग्रमुसूची

प्लाट जिसका रक्तबा $75' \times 175'$ है तीन स्रोर से दिवार के साथ घरा हुया है, स्रौर गाव नेजली तिहि० जगाधरी में स्थित है।

"मम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीन० 588 मे दी है श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जगाधरी के कार्यालय मे 23-5-77 को दर्ज की गई।

> रत्रोन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 19-12-1977

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निदेश सं० लुधियाना |यू०|4| 77-78:——श्रतः, मुझे, नत्युराम

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है,

श्रीर जिसकी स० मकान न० बी०-XXIII/13 प्लाट न० 97-ए० है, तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया है में स्थित (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ्य में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्ममान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तर्क (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीज ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबन उकन प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या घन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए,

भतः भव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भाषीन, निम्नलिखित ध्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्रीमती राजरानी, पत्नी श्री जुगल किणोर निवासी 486/1 पुराना बाजार, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्ज राजस्थान वूल एजेमी 97-बी० इण्डस्ट्रीयल एरिया, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दी श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी॰/XXIII/13 प्लाट नं० 97-ए० इण्डस्ट्रीयल एरिया है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सुधियना के विलेख नं० 39 ग्रप्रैल, 1977 में दर्ज है।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, नुधियाना

तारीख: 20 दिसम्बर, 1977

प्ररूप भ्राई० टी∙ एन० एस०-

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दियम्बर 1977

मुझे, नत्थु राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख

के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

६० से मधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान न० बी०-4/1072 भूदा है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना, मे रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्त रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रहप्रतिशन से मिश्रक है और मन्तरक (भन्तरको) धीर मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर द्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना ।

भ्रत: भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्-सरण में भी, उक्त भिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत् :--

- (1) श्रीराम म्ति पुन्नश्री नियामत राय निवासी मृहल्ली सूदौं, मकान न० बी०-4/1072, लुधियाना। (भ्रन्तरक)
- (2) मर्वश्री 1 श्रीमती ग्राणारानी पत्नी कस्तूरी लाल 2. श्रीमति विद्यावती विधवा बिहारी लाल मार्फत एम० एस०- होजरी निटिंग वर्कस पुराना बाजार, लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सबधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में यथापरि-माषित है वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० बी० 4/1072, मुहल्ला सूदा लुधियाना । (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 101, ग्रप्रैल, 1977 मे रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा ₹)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 20 दिसम्बर 1977

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

पायकर श्र**धिनियम**, 1961 (1961 का 43) फा ारा 269 घ (1) क श्रधीन सूचना भारत सरकार

कायलिय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुभ्रियाना

ल्धियाना, दिनाक 20 दिसम्बर, 1977

निवेश मं० शिमला/ 10/77-78 — अत , मुक्षे नित्थू राम, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने उन कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी स० जायदाद जो कि श्रीटरबीरन, शिमला के नाम से जाना जाता है जिसका क्षेत्रफल 2035 वर्गगज श्रीर 4 फुट है जो कि खसरा न० 241, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 में से 241/बी॰ एक बना हुआ मकान है जो कि शिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान पनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा उत्तित बाजार ग्ल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है सीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिन (भन्तरितियो) के बीच ंस यन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में प्राम्पिक रूप में किसत न शे किया गया * * - -

- (क) प्रकारण ए हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिन्त में कमो करने या जससे बचने में सुविधा के तिए; जैंद/पा
- (ख) ऐसी किसी आग पा किसी धन या अस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 पा 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया भया था पा किया जीना चाहिए थर, कियोंने ने अधिया के लिए;

श्रत प्रच, उक्त प्रवितिषम, की घारा 260-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रवितिषम की धारा 269-म की उपधार। (1) के ब्रधीन निरंतितिका पिक्तियों, श्रथींत -- 9—396GU/77 (1) श्रीमती गुरदेवी दिलबाग ढीगरा ् 18, फायर बग्रेड लाईन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वतन्त्रा व्विसंह, श्रायुक्त , विभागीय पूछताछ हिमाचन प्रदेश, सकट्रीएट शिमला ्। (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच करता ह।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर गदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद जो कि भ्रौटरबोरन शिमला के नाम से जानी जाती है जिस का क्षेत्रफल 2035 वर्ग गज भ्रौर 4 फुट जो कि खसरा नं० 241/1, 242/2, 241/3, 241/4, 241/7 में से 241/ बी० एक बना हुआ मकान जो कि शिमला में स्थित है)।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी शिमला के विलेख नं० 169 श्रप्रैल, 1977 में दर्ज है)!

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 दिसम्बर, 1977

भारत सरकार

कार्यालय, महायक <mark>घाय</mark>कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर, 1977

निवेश सं० खन्ना/ 2/ 77-78 ---यत', मुझे नत्थू राम, आयकर श्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

भौर जिसकी स० एक मकान जो कि वार्ड न० 3 है, तथा जो खन्ना में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मई, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत संभित्रक का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखन में वास्त्रविक अप से कथित नहीं दिया गया है --

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्सियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथित् :---

- (1) श्री महिन्द्र कुमार चौधरी पुत्र श्री छजू राम निवासी खन्ना कलां मार्फत लक्ष्मी जिनिंग मिल्ज खन्ना। (ग्रन्सरक)
- (2) सर्वश्री

 1. श्री मदन मोहन राय पुत्र भमरीक राय

 2. श्रीमती सत्या देवी पत्नी मदन मोहन राय निवासी

मार्फत लक्ष्मी जिनिंग मिरुज, खन्ना।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सपित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ स्थावत द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण —-इसमे प्रमुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसम्बी

एक मकान जो कि वार्ड न ० 3 खन्ना कला में स्थित हैं)। (जैसे कि रजिस्ट्री कर्ता के विलेख न० 219, मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता घ्रिधकारी खन्ना के कार्याक्षय में लिखा हैं)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 20 दिसम्बर, 1977 मोहर प्रजप आई० टी० एन० एस०- -----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 20 विसम्बर, 1977

निडण म० शिमला /1/77-78 — श्रात , मुझे नत्थू राम । आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० जायधादा जो श्री रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी है तथा जो शिमला से विलेख नं० 108 ग्राप्रैल, 1977 में दर्ज है। में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 1908 का 16)) के ग्रधीन ,तारीख को दिनांक ग्रप्रैल, 1977 शिमला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और प्रक्तरक (प्रन्तरको) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के भ्रम्लरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त घधिनियम' की घारा 269-घ की अनुसारण(1) क श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो ग्रथीन :---

- श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री ग्रार० बी० सरदार शेर सिंह टोरटीयम स्ट्रिट शिमला-2 वर्तमान पता -मारफत कमान्डर ग्राई० एस, पेटल 470/2-सर्वस ग्राफिसर्स फूल कलेव, सरदार पटेल मार्ग नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2 श्री इन्द्रजीत कालरा, पुत्र श्री बद्री नाथ कालरा 76-लोयर बाजार, शिमला ।
- 3 सर्व श्री (i) के० के० चोपड़ा (u) घम्बा (til) (IV) पाम्बा (V) कम्बला निवासी टोरूटयम स्ट्रीड शिमला।

(वह व्यक्ति, जिमके ग्रधिभोग में सपत्ति सपत्ति है) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविध या सस्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 तिखित में किये जा सकते।

स्वब्हीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्बो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी शिमला के विलेख 108 स्रप्रैल 1977 में वर्ज है।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाष्यका (निरीक्षण)

अजैन रेंज-I दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश संश्राई० ए० सी० | एक्यु० | 1 | एस० ग्रार०-III | 4 | अप्रैल-1 (4) | 77 78 — 4614 — ग्रत मुझे जे० एस० गिल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | र० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० एच० एस० - 22 है, तथा जो कैसाश कालोनी

श्रोर जिसकी सं० एच० एम० - 22 है, तथा जो कैलाश कालोती नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीनिन तारीख 13-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हं भीर प्रन्तरक (प्रन्तरको) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त मधिनियम', या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग अनुसरण में, मे, उक्त प्रधितियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, प्रपीत्:— (1) श्री एस॰ सम्पूर्ण सिंह ग्रोबराय, सुपुत श्री जयदेव सिंह ग्रोबराय, निवासी बी०-4/138, सफदरजर्ग एन्फलैल, नई दिल्ली।

(भन्तरकः)

(2) श्रीमती राम दुलारी भुटानी, पत्नी श्री किशोरी लाल भुटानी, निवामी ई०-34 डी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) मै॰ कैलाश डिपाटमैन्टल स्टोर्स (2) श्री चमन लाल (3) श्री कृष्ण सरधाणा (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्षत सम्पत्ति के श्रर्जन के ।लए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **पाक्ष**प ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बंधी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जा जनत ग्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक मिजला मकान जिसका मुन्यसिपल न० एच० एस-22 है, 239/1/10 वर्गगज (199 88 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल के ब्लाट पर बना हुआ है, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में निम्न से स्थित हैं:—-

पूर्व सङ्क तथा पार्क पश्चिम . सर्विम लेन उत्तर . एच० एस०-21 दक्षिण . रोष्ठ

जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीखा** 20-12-1977 मोहर में ग्रधिक है

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० →-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार।

269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 17 विसम्बर 1977

निर्देश स० 61/77-78/ माई० ए० सी० (ए०/ श्रार०) भ्यनेश्वर :—सतः, मुझे, श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के ग्रधीन मक्षम प्रधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थाधर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६९ए

ग्रीर जिसकी स० है, जो मीजा -बडगड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-3-1977

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
भीर अन्तरक (धन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीन
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
सें उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप मे कथित नहीं किया
गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करसे या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/पा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

भन. मस, उन्त मधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्निसिंखत व्यक्तियों, ग्रंथति :---

- (1) श्रीमती संस्यभामा देवी, स्वामी भागवत वारिक (ग्रन्सरक)
- (2) श्री विपन बिहारी खमारी

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्मवर्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (२०) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रोर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उम श्रद्ध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान मौजा--बड़गड़, भुवनेश्वर में स्थित हैं वह संपत्ति भुवनेश्वर सबरिजस्ट्रार श्राफिस में 30-3-77 तारीख में रिजस्ट्रार हुशा; जिसके डाकुमेंट न० 2098 है।

> ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भुवनेक्ष्यर

नारीख 17-12-77 मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st December 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(I).—In continuation of this office notification No A.32011/1/77-Admn III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 12-11-77 to 29-12-77 or until further orders, whichever is earlier

No A 32014/1/77-Admn.III(2).—In continuation of this office notification No. A 32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shi B R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 20-11-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is called

The 2nd December 1977

No. A.12025/2/76-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms' OM No. 9/14/76-CS(II) dated 14-11-1977, the President is pleased to appoint Shri M. L. Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in the office of the Umon Public Service Commission with effect from 17-11-1977 (FN) until further orders.

The appointment of Shri Khanduri will, however, be subject to the decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court

P N MUKHERJEE.
Under Secretary
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 8th December 1977

No F 2/9/77-Estt(CRPF)/PERS II—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shii R. K. Mehra, Commandant (CRPF) presently on deputation to the ITBP, to the rank of DIG in the CRPF with effect from 15-9-1977 (AN).

C CHAKRABORTY, Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 14th December 1977

No. O II-142/76-Estt —Consequent on his repatriation to the Army, Major D. S Thapa handed over charge of the post of Assit. Commandant 3rd Signal Bn, CRPF Rampur on the forenoon of 23rd November 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delht-110024, the 5th December 1977

No E-38013(3)/9/77-Admn.—On transfer Shri P. K Luhari relinquished the charge of the post of Asstt Commandant CISF Unit Alloy Steel Plant Durgapur with effect from the afternoon of 6th October 1977

I S BISHT, Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th December 1977

No. P/P(35)-Ad I.—In continuation of this office notification of even number dated 23-1-1976 the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the

Registrar General, India by transfer on deputation upto 31st December, 1977, with effect from 17th January, 1977, or tilk-the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi,

The 12th December 1977

No 25/8/73-RG(Ad.I)—On his retirement from Government service under the Government of Orissa, on attaining the age of superannuation, Shri B. Tripathi, relinquished charge of the office of Director of Census Operations, Orissa, held by him in an ex-officio capacity, with effect from the afternoon of 31st October, 1977.

No. P/I(1)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A C. Bal, a member of the Nagaland Civil Service (Class I) Junior Grade, as Deputy Director of Census Operations, Nagaland, on deputation basis, with effect trom the forenoon of 12 September, 1977, until further orders

The headquarters of Shri Bal will be at Kohima.

No. 10/13/76-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Aurelius Pyrtuh, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Registrar General, India, withis headquarters at New Delhi, with effect from the foremon of 30th November, 1977 until further orders.

No P/B(48)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri E Rameswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Research Officei (Social Studies) in the same office, with effect from the forenoon of 2-12-1977 to 18-2-1978, on a purely temporary and ad hoc basis, vice Shri N. K. Banerjee, Research Officer (Social Studies) granted extra-ordinary leave.

Deputy Registrar General, India & ex-officio Deputy Secretary

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th December 1977

No 7.FC-9(6)-A/77—Shri G. P. Sahni, Economic Investigator by the Seventh Finance Commission has been appointed as Research Officer in the same Commission. in the scale of Rs. 700—1300 on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 3rd December, 1977 until further orders

P. L. SAKARWAI, Under Secy

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 13th December 1977

No Estt (A)/GO/3586—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shii M. N. Pillai and V Rajagopalan Nair (II) permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 14-11-77 (FN), respectively until further orders.

K. P. L. LAKSHMANA RAO, Deputy Accountant General (Admn) Office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th December 1977

No. 6/806/67-Admn.(G)/8609—The President is pleased to appoint Shif R P Basu, an officer officiating in Grade I of the Central Secretariat Service to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the 1st November, 1977, until further orders.

K. V. SESHADRI. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVLLOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 28th September 1977

No A-19018/264/76-Admn.(G)—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri K Vasudevan as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 26th February 1977, until further

2. Consequent upon his appointment as Assiltant Director (Gr. I) (Electronics) Shri K. Vasudevan assumed charge of the post in the Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 26th February, 1977.

V VENKATRAYULU. Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th December 1977

No. A-1/1(125) —Shri B. A. Shenoy, Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi expired on 2nd December, 1977

SURYA PRAKASH.

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th December 1977

No 5907/B/13/76/19A.—Shri D K Roy Chowdhury, Cost Accountant, Geoglical Survey of India is appointed as Assit Cost Accounts Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2nd November, 1977, until further orders.

No 5960/B/2181(SKR)/19C.—Dr S. K Ray, Ex-Chemist (Junior) Geological Survey of India, is declared Quasi-Permanent in the post of Assistant Chemist with effect from the 7th May, 1976

> V. K. S VARADAN. Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 7th December 1977

No F.11-9/77-AI—On the recommendation of the U.P.S.C, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Miss Meena Kumari Sharma to the post of Archivest (Genl.) on regular temporary basis w.e.f. 26-11-77 (F.N.) until further order

sign. Illegible Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th December 1977

No 4(15)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Niranjan Sinhandra Ghate as Programme Executive, All India Radio Nagpur in a temporary capacity with effect from 21st November, 1977 and until further orders

The 9th December 1977

No. 4(76)/77-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii P. S. Gopalakrishna as Programme Executive All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 16th November, 1977 and until further orders

The 12th December 1977

No 4(9)/75-SI.—The services of Shri G. S. Hiianyappa officiating Programme Executive, All India Radio, Mangalore were terminated by the Competent authority with effect from the 26th October, 1977

N K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th December 1977

No. A 12025/9/77-SI—The President is pleased to appoint Shii Yogendra Kumar Aggarwal, presently working on ad hoc basis as Deputy Assistant Director General (M.S.) in the Government Medical Store Depot, Gauhati, on a regular basis in a temporary capacity to the same post in the said Depot we f the ferenoon of the 16th November, 1977.

SANGAT SINGH, Deputy Director Administrations (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 8th December 1977

No. F 3(13)/57/76-DII—In exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Depaptrment of Revenue) Customs Notification No. 174-Cus. dated the 26th December, 1964, I hereby authorise Shri R. V. Kothe, Assis'ant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Animal Casings, Wool, Bristles and Goat Hair which have been graded in accordance with the Animal Casings Grading and Marking (Amendment) Rules 1975, Wool Grading and Marking (Amendment) Rules 1977, Bristles Grading and Marking Rules 1975 and Goat Hair Grading and Maiking (Amendments) Rules 1962 and export of which is subject to the provision of the above mentioned notifications

J S. UPPAI. Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 4th November 1977

No 5/1/77/Esti II/4663—On transfer from the Rajasthan Atomic Power Project, Shri Venkatachari Rajagopalan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Assit. Personnel Officer in that Project is appointed as an officer in the Assit Administrative Officer's Grade (Rs 650—960/-) in the Bhabha Atomic Research Centie in an officiating capacity we f the forenoon of October 26, 1977 until further orders.

V. M. KHATU.
Dy Establishment Officer
For Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 24th November 1977

No PPED/3(236)/77-Adm 15772.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint Shri T Premchandran, a temporary Scientific Assistant 'C' of

this Division, as Scientific Officer/Engineer-Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1 1977 until further orders

B, V. THAT'I E. Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400001, the 28th November 1977

No DPS/2/1(25)/77-Est/34670.—Director, Stores, Department of Atomic Engery appoints the following persons in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officers in the scale of pay of Re 650-30-740-35-880-EB-40-960, on an ad hoc basis, in the same Directorate with effect from October 1 1977(FN) to December 31, 1977(AN)

- 1 Shri Nelluvai Harihara Iyer Krishnan, Accountant.
- 2 Shri Jagannath Gopal Sathe, Assistant Accountant.

No DPS/23/8/77-Est/34690.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Engery appoints Shri N. H. Krishnan, Accountant in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 17-9-77(FN) to 30-9-77(AN) vice Shri V. K. Potdar, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer—II

B. G KULKARNI
For Administrative Officei

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-600016, the 6th December 1977

No AMD/1/20/77-Adm—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri R Kameswaran as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

No. AMD/1/20/77-Adm — The Director, Atomic Mineials Division, hereby appoints Shii Om Prakash Sahu, as a Scientific Officet/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

No AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Swapan Kumar Biswas as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders.

No AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Arun Kumar Srivastava as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

S. RANGANATHAN

Si Administrative & Accounts Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY (CENTRAL OFFICE)

Bombay-400019, the 2nd December 1977

No. APA/Adm./16/3/73—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority (Central Office), appoints Shri V R. Rege, a permanent Accountant as Assistant Accounts Officer in the same office in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 18, 1977, until further orders.

R VEERA RAGHAVAN Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 6th December 1977 CORRIGENDUM

No. E(I)08054—The figures "25th May 1977" occurring in the last line of para 1 of this office Notification No E(I) 08054 dated 6-8-77 may kindly be read as "27th May, 1977"

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, dated the 6 December 1977

No. A 38012/1/77-EC—The following officers of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the 31-10-77(AN) on retirement from Govt, service on attaining age of superanuation—

5. NO.	Name & Designation	Station of Posting
	CV. Venkatesan, Assistant extor of Communication	Headquarter
	M C. Jain, Senior Communi- n officer	Headquarter

S D SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director

New Delhi, the 29th November 1977

No. A.32013/1/77-EW—The President is pleased to appoint Shri N Gopal, Electrical & Mechanical Officer to the grade of Assistant Director (Equipment) in the Civil Aviation Department, New Delhi in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 with effect from the 29th September, 1977 FN and until further orders

The 6th December, 1977

No A.32013/9/77-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date of taking over charge of the higher post or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them at the stations indicated against each.—

S No	Name	Present station of of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1_	2	3	4	5
1	Shri T.N. Mehta	Controller, CRSD New Delhi	Director RC&DU, New Delhi	28-9-77 (FN)
2	Shri S.K. Sharma	ACS Palam	ACS, Palam	26-9-77 (FN)
3	Shrı S.C. Dureja	ACS Safdar- jung Airport New Delhi	ACS, Palam	26-9-77 (FN)
4.	Shri P.S. Venka- taraman	ACS, Nagpur	ACS, Nag- pur	28-9-77 (FN)
5	Shri R.P. Mohindra	RCDU& New Delhi	RCD&U, New Delhi	22-9-77 (FN)
6.	Shrı KNK Poduval	ACS, Bom- bay	ACS, Bom- bay	27-9-77 (FN)
7.	Shri B. Rama- krishna	ACS, Cal- cutta	ACS, Calcutta	28-9-77 (FN)
8.	Shrı D.P. Agni- hotri	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	30-9-77 (FN)
9. 	Shri NRN Iyen-	ACS, Gauhatı		28-9 -77 (FN)

No A 38012/1/77-FC —Shi A K Ramaswamy, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bhopal relinquished charge of his office on the 31st Oct. 1977 (AN) on retirement from Govt service on attaining the age of superannuation

No A 39012/1/77-EC—The President is pleased to accept the regisgration of Shii V Manuja, Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction & Dev Units, New Delhi with effect from the 12th September, 1977(A.N.)

The 8th December 1977

No A.32013/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S C. Goswami, Assistant Director of Communication (HQ) to the grade of Deputy Director of Communication(HQ) on ad hoc basis wef the 25-10-77(FN) vice Shri S. M Gupta, Deputy Director of Communication granted earned leave for 49 days wef the 22-10-77

S. D SHARMA
Dy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1st December 1977

No 1/421/77-EST—The resignation from service of Shri R K Bansal, Temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay has been accepted we'f the afternoon of the 14th October, 1977.

The 18th December 1977

No. 24/7/76-EST.—Shri V. P. Singh, Subedar, Directorate General of CRPF, New Delhi is appointed as Security Officer, in an officiating capacity in OCS, V.SB New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 17th October, 1977 and until further orders

S SREENIVASACHAR Director General

Bombay, the 5th December 1977

No. 1/412/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P Sicenivasulu, Technical Assistant, Madras Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 10-5-76 to 11-6-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy

M. S KRISHNASWAMY Administrative Officer, for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 7th December 1977

No A-19012/19/77-Adm V—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S A. Shah, Senioi Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore Gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis wef. 31-10-77(FN) upto the end of February, 1978, or till the regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier

The 12th December 1977

No A-19012/628/77-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. P. Mittal, Senior Professional Assistant (Hydro Met.), as Extra Assistant Director (Hydro Met.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 11th October, 1977 to 9th December, 1977

Shri S P. Mittal assumed charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission, with effect from 11-10-1977 (F N_{\odot})

J K SAHA
Under Secretary,
Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DFPARTMENT OFFICE OF THE ENGINFER-IN-CHIEF

New Delhi, the 9th December 1977

No 27-S/G(9)/73-ECIJ—Shri K V Ganesan, Superintending Engineer (Vigilance), CPWD, New Delhi, expired on 4th December, 1977

Dy Director of Administration For Engineer-in-Chief

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 8th December 1977

No HPB/G/AC/PF/MS—Consequent upon her marriage, Miss Maya Gupta, IRAS Senior Programmer, Central Railway, Bombay VT has intimated her desire to be known in tuture by the name of Mis. Maya Yoganand Sinha. This has been agreed to and the name will be registered accordingly in the Books of Administration.

P R. PUSALKAR General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 12th December 1977

No. P 185/GAZ/Mech.—The undermentioned officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers (on probation) are confirmed in Class 1/Junior Scale of that Service on South Central Railway with effect from the dates noted against each —

S.No Name Date from which confirmed

- 1 Shii R Ghosh Mazumdar --- 6-4-76
- 2 Shri Y. Siyakanttahara —1-5-76
- 3 Shii N. S. Kasturi Rangan -30-9-76
- 4. Shri Sukhmandu Singh --- 19-1-77

T M. THOMAS General Manager

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY AND REHABILITATION (DEPTT. OF REHABILITATION) RFHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEFR

Jeypore-764003, the 7th December 1977

No P 2/104/77.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shir J S. Ahuja, Assistant Administrative Officer in the Office of the Divisional Engineer-IV, Rehabilitation Reclamation Organisation, Shahpura (Dist. Betul-MP) is promoted to the post of Accounts Officer (General Central Service Group 'B') in the scale of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 2-12-1977 He is kept on probation for a period of 2 years effective from the said date.

2 Shri J S. Ahuja assumed the charge of the post of Accounts Office in the Office of the Chief Mechanical Engineer, Rehabilitation Reclamation Organisation at Jeypore, Distr Koraput (Orissa) on the forenoon of 2-12-1977.

M PATTANAIK Lt Col. (Retd) Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, IUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

In the matter of Companies Act 1956 and of Srl Dhandasuthapanl High School Committee Private Ltd.

Madras-6, the 7th December 1977

No DN/2864/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec (3) of Sec 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereot the name of Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s The Seenapuram Roadways Private Limited

ladias-600006, the 13th December 1977

No 4663/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Secnapulam Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Guru Transports Limited

Madias-600006, the 13th December 1977

No. 5104/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Guiu Transports Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Lakshml Auto Cycles Limited

Madras-600006, the 13th December 1977

No 5515/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lakshmi Auto Cycles Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> C ACHUTHAN Asstt Registral of Companies Tamil Nadu

In the matter of Companies Act 1956 and of Rafeeq-Shafeey Leathers Private Limited

Madras-6, the 7th December 1977

No DN/7025/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rafeeq-Shafeeq Leathers Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Packings & Accessories Private Limited

Madras-600006, the 9th December 1977

No. 5472/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Packings & Accessories Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

> K PANCHAPAKESAN, Asst Registrar of Companies Tamil Nadu

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s, Cuddegall Santona Mines Private Limited Goa-403001, the 8th December 1977

No. 305/G.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Cuddegali Santona Mines Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. R. GHAROTE Registrat of Companies Goa, Daman & Diu

In the matter of Companies Act 1956 and of Metropolitan Films Private Limited (In Liquidation)

Jullundur, the 9th December 1977

No G/Stat/560/162/9809 -Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Metropolitan Films Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

S. P TAYAL
Registral of Companies
Punjab, HP & Chandigarh.

In the matter of Companies Act 1956 and of Naulthiya Financiers Private Limited

Jaipur, the 13th December 1977

No. STAT/1695—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Naulthya Financiers Private Limited, Jai-pur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Liberty Club Limited

Jaipui, the 9th December 1977

No. STAT/1578.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mark Liberty Clab Transfer the name of the M/s. Liberty Club Limited, Kota, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

(Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s C.E.I. Electrical Industries Private Limited Bombay, the 12th December 1977

No. 14325/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. C.E.I. Electrical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolv-

SHRI RAM Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400020, the 28th November 1977

No. F 48-Ad(AT)/77-P.II.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal, (Northen Zone), New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the leave vacancy in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/with effect from the 14th November, 1977 to 13th January 1978 vice Shri C L. Bhanot, Assit Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, granted leave

The above appointment is ad hoc and will not pon Shri M K Dalvi a claim for regular appoint upon Shri M K Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade of for eligibility for promotion to next higher grade.

> P. D. MATHUR President

(1) 1. Shri Dady N J Dady; 2. Khurshed N J. Dady and 3 Homi N. J. Dady

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th December 1977

Rei No ARI/2027-45/APR 77—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS 572 of Malabai & Cumballa Hill Divn situated at Dady Seth Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mount Blanc Hotels Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the registered Deed No. 982/71/Bom and registered on 18-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,

Date: 13-12-77

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Atursingh Basantrai Sangtani and 2. Bhagwansingh Basantrai Sangtani. (Transferor)

(2) Atu: Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th December 1977

Ref. No AR-J/2031-47/Apr 77—Wheicas, I, F J FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

C.S. 521 of Colaba Division, situated at Arthur Bunder (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 27-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 764/72/Bom and as registered on 27-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date 15 12-1977 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref No. Acq 23-I-1297(614)/16-6/77-78.—Whereas, I, S C PARIKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Plot No 19 of Nutan Nagai Coop, Housing Society, situated at Kalavad Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Rajkot on 24-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Yogeshkumar Narendas Badıyanı. power of attorney holder; Shri Hirjibhai Dayabhai Dattani, Rajab Mahal, 144-Maharshi Karve Road, Bombay

(Transferoi)

- (2) Shri Nandkishoi Uttamlal Mapara; Bank of Baroda, Upleta. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building stand on land admeasuring 331-0-0 sq yds bearing Plot No 19, Nutan Nagar Coop. Housing Society, situated at Kalavad Road, Rajkot.

S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 14-12-1977 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref No Acq 23-I/1292(615)/11-1/77-78 --- Whereas, I, S C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 92, 93, 103, 104, 105 and 106 Outside Majewadi Gate, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 23-6-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mayur Chemicals, Outside Majewadi Darwaja, Junagadh

(Transferor)

(2) M/s Madhav Industries through Partner Shri Maganlal Laljibhai Outside Majewadi Darwaja, Junagadh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property consists of old and new godowns, one single storeyed office block, compound wall standing on land admeasuring 3153 65 sq yds. bearing Plot Nos 92, 93, 103, 104, 105 and 106 situated outside Majewadi Gate, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide Regr. No 815 dated 23-6-77 by registering Officer

S. C PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date · 14-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No Acq 23-I-1248(611)/5-6/77-78—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12, Near Mahuwa Road, situated at Neai S T. Workshop, Mahuwa Road, Savar-Kundla, Dist. Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Savarkundla on 21-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohanlal Madhavii, Powei of Attorney Holder Shri Bala Shanker Girjashanker Trivedi, Sayarkundla.

(Transferor)

(2) Yugantai Coop. Housing Society Ltd., President Shri Ramniklal Dayalji, Secretary Shri Batukdas Sunderdas, Savarkundla (P. No. 364515)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 2 Acre & 38 gunthas and bearing Survey No. 12, situated near S. T. Workshop, Mahuwa Road, Savarkundla and as fully described in sale-deed No 682 registered with registering Officer, at Savarkundla.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 14-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No Acq. 23-J-1340(612)/16-6/77-78 --- Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bering No

situated at Dr Yagnik Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 26-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income ariging from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Maduhben Jayashanker Dwivedi, C/o. Kirit Jayshanker, "Pitrusmiuti" 3, Jankalyan Society, Rajkot

(Transferor

(2) Shri Labhashankar Vajeshanker Tijvedi, Di Yagnik Road, Rajkot.

(Transferce)

(3) 1 Shri Tanna;

2. Shri Indubhai Vyas

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 377-7-0 sq yds situated at Yagnik Road, Rajkot, which is surrounded by

East · 30 ft wide Road West : Dr. Yagnik Road. North : 30 ft, wide Road South . Dr. Yagnik Road

and as fully described in the sale-deed registered vide Regr. No 796 dated 26-4-77 by registering Officer, Rajkot.

S C PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 14-12-1977

(1) Sambai Meghji Khetani, Sukhpur, Taluka Bhuj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Subhashchandra Vallabhdas Ramaiya, Maherali Chowk, Bhuj (Kutch).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No Acq.23-I-1341(613)/2-2/77-78.—Whereas, I, S. C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Survey No 980, Plot No. 13 of Ghanshyam Nagar, situated at Outside Vaniawadnaka, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 11-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

11-396GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed residential building standing on land admeasuring 3000 sq. ft bearing S No 980 Plot No. 13, Ghanshyamnagar, situated Outside Vaniya Wad Naka, Bhul (Kutch) and fully described in the sale-deed registered vide R No 364 April, 1977 by registering Officer, Bhuj

S. C PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date 14-12-1977

 Shri Chota and Inchharam, sons of Raja Ram, R/o Vill Badarjuda, P.O. Saraswati Nagar, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1977

Ref. No. Acq/425-A/Saharanpur/77-78/5539.—Whereas I, R P BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Karnail Singh S/o Lahna Singh, Sobha Singh, Gajan Singh, Richpal Singh, All sons of Karnail Singh, R/o Vill, Dadupur, Parg. Gordhanpur, Distt Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at village Dadupur, Pargana Gordhanpur, Distt. Muzaffarnagai transferred for an apparent consideration of Rs 85,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref No. Acq/803-A/G. Bad/77-78/5877 —Whereas, I. R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajendra Prasad S/o Lakhi Ram and Smt. Kiran Gupta W/o Rajendra Prasad, R/o 4649-A, Dariyaganj, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Sanjay Kumar and Ajai Kumar (Minors)
Both sons of Rajendra Prasad, Father & Guardian.
R/o 4649-A, Dariyaganj, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 Part of Plot No. 1. situated at Kiran Enclave, Model Town, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-12-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/804-A/G. Bad/77-78/5876.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ram Bharosey Gupta S/o Rajendra Prasad R/o 4649-A, Dariyaganj, New Delhi, Mukhtarr Aam Vikrya Sampatti, Panna Lal Gupta S/o Kali Prasad, R/o 105/21-B, Girish Ghosh Road, Lalwa, Hawrah (Bengal).

(Transferors)

(2) Shri Sanjay Kumar and Ajay Kumar (Minors) Both sons of Rajendra Prasad, Father & Guardian R/o 4649-A, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 part of Plot No. 1, situated at Kiran Enclave, Model Town, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date 10-12-1977 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Vijay Singh son of Girwar Singh, R/o Parjani, P.O. Baian, Parg Derapur,

(1) Shri Ayodhya Singh son of Jwala Singh, R/o Baran, Vill. Pargani, Parg Derapur,

Distt. Kanpur.

(Transferor)

Distt. Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/394-A/Kanpur/77-78/5538.—Whereas, I. R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehrapur on March 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land situated at Vill. Parjani, Pargana, Derapur, Distr. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,000/-.

R P. BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dato: 10-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITIN RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No Acq/743-A/Bulandshahar/77-78/5540.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bullandshahar on March 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

 Shri Ganga Prasad son of Bhojiaj, R/o Pratabpur, P.O. Khas, Parg. Agauta, Distt. Bullandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Ummed Alı s/o Abdul Shakur, Shri Yaseen Khan s/o Wali Mohd., Shri Shafik Mohd. s/o Mohd. Ishaq, Shri Suleman s/o Abdul Shakur, All resident of Vıll. Pratabpur, Parg. Agauta, P.O. Khas, Distt. Bullandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land situated at Vill. Partabour, Parg Agauta, Distt Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs 44,660/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sarla Pratap, R/o Dhamairakeerat, Parg. Baran, Distt. Bullandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi, W/o Ch. Shyodan Singh, R/o Dhamairakeerat, Pag Baran, Distt. Bullandshahar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR
KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/745-A/Bullandshahar/77-78/5541.—Where R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R9 25000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bullandshahar on March, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and car
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at Vill. Kajipura, Parg. Baran, Distt. Bullandshahar, transferred for an appearent consideration of Rs. 64,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-12-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

Ref. No. 5515/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 11/3 CV Raman Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No 247/77) on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saki Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr J. P. Rayan 22/2 Lazarus Church Street, Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs Nagarathinammal No 16/B Second St, Gopalapuram, Madras-86.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 11/3 Sir C. V. Raman Road, Mylapore, Madras.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 14-12-77,

Seal +

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/44—Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Part of IE-11/R situated at Hide Market ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
—396GI/77

- Shri Nirmal Chand Kapur S/o
 Sh Gokal Chand Kapur
 R/o 159 Model Town Sonepat
- (2) Firm Pargat Singh & Sons R/o Hide Market ASR through Pargat Singh S/o Dial Singh,
- (3) As at S No. 2 above & tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No IE-11/R situated at Hide Market Amritsai as mentioned in the regd, deed No, 167 of April 77 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 24-11-1977

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/45.—Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Part of IE-11/R situated at Hide Market ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City Amritsar in April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

said exceeds the apparent consideration therefore by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanchal Kapur w/o Sh. N. C Kapur R/o 159 Model Town Sonepat.
- (2) Firm Pargat Singh & Sons Hide Mkt. ASR through Sh Pargat Singh S/o Sh Dial Singh
- (3) As at S No. 2 above & tenant(s) if any.

 Person in occupation of the property:
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. IE-11/R situated at Hide Mkt. ASR. as mentioned in the regd. deed No. 166 of APR 77 of Registering Authority, City Amritsar

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date . 24-11-1977

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME: TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref. No. ASR/46/77-78 —Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot No 55-B, situated at R. B. Parkash Chand Road, ASR (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

City Amritsar in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jatinder Aggarwal S/o Kundan Lal Aggarwal R/o Bompay, Road No. 11.

(Transferor)

(2) Shri Sadajit S/o Shri Moti Ram, Vijay Kumar, Raman Kumar, Bimal Kumar SS/o Shri Sadajit Aggarwal, R/O H. No. 229/11, Gali Lambo, Kt. Bagh Singh Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55-B, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 188 of April, 1977 of Registary Authority city-Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-12-77

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref No ASR/47/77-78—Whereas, I S. K GOYAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Plot No. 4, situated at Garden Colony ASR, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

City Amritsar in April 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishnawati W/o Shri Ram Lal R/o Qlla Bhangian, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ravi Kumar, Rajinder Kumar, Rakesh Kumar SS/o Shri Roshan Lai R/o Kt. Dulo, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Garden Colony near Town Planning Office, as mentioned in the registered deed No. 373 of April, 1977 of Registering Authority, City-Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 12-12-77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref. No. ASR/48/77-78.—Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, situated at Dasondha Singh Road, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City American in April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Wati W/o Maya Ram R/o Kt. Khazana, Gali Iallian, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Som Nath S/o Shri Ram Dhan Mal R/o Kothi No 95, Gali No 3, Daya Nand Nagar, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the porperty)
- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

l:\PL\NA\ion :—The terms and expressions used herein as are defined—in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the registered deed No. 73 of April. 1977 of Registering Authority, City-Amritan

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsa

Date 12-12-77

(1) Baitalpur Sugar Mill, Deoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Prithvi Raj Arola
- (Transferee)
- (3) Baitalpur Sugar Mill, Deoria.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No. P-61/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 385, Ward No. 5 Bharauli Bazar, Deoria situated at Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value who property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No 385, Ward No. 5, situated at Bharauli Bazar Tappa Deoria, Pargana Salempur Majhauli, Distt. Deoria.

One storeyed house including land measuring 14247 sft.

All details as mentioned in Sale Deed dated 31-3-77 and Form 37G of No. 532 dated 1-4-77 registered in the Office of the Sub Registrar, Deoria.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-12-1977

Seal.

(1) Kr. Vishwajcet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sushma Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Kr. Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 3rd December 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 156-S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

No 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land measuring 4439 sft. in plot bearing Nos 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1567 of 1977 dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-12-1977

(1) Kr. Visitwaject Singh.

(3) Kr. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Trilok Bhushan Dass

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No 17-T/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 13 & 14, Jophing Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

office of the Registering Officer at

Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice - under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 7084 sft of plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as intentioned in Form No. 37G of No. 1561 of 1977 dated 1-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-12-1977

(1) Kr. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gobardhan Das Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No 36-G/Acq —Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13—396GI|77

(3) Kr. Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No 1 measuring 6637 5 sft bearing of plot Nos 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1569 of 1977 dated 2-8-75 & sale deed dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-12-1977

(1) M/s New Sewan Sugar & Gur Refining Co Ltd.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sti Prithvi Raj Arola.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No. P-62/Acq —Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 385, Ward No. 5 Bharauli Bazar, Deoria situated at Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transfero rto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Sald Act to the following persons namely:—

 (3) Office of the District Inspector for Schools, Deoria.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 385 Ward 5, situated at Bhaiauli Bazar, Tappa Deoria, Pargana Salempur Majhauli, Dist Deoria.

North-Private Road of Sindhi Mill owner,

South—House of Sri Buch Marwari and gaiden
West—Open land of Sindhi Mill owner touching the
boundary wall of the property sold

East-Deoria-Kasia Road

Measurement Onc-storeyed house including land measuring 14247 sft

All details as mentioned in the Sale Deed dated 31-3-77 and Form No 37G of No 530 dated 1-4-1977 registered in the office of Sub Registrar, Deoria

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 3-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No 124-R/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration

which is less than the lan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kr. Vishwajeet Singh

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Agarwal.

(Transferee)

(3) Kı Vıshwajcet Sıngh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft in plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1557 of 1977 dated 1-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrai Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 3-12-1977

Seal ·

(1) K1. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Jamuna Das Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Kr. Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Rci No. 46-J/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft. in plot land bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow

And all details as mentioned in Form 37G of No. 1561 of 1977 dated 2-8-75 & sale deed dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-12-1977

(1) Kr. Vishwajeet Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Laxmi Chandra Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Kr Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 3rd December 1977

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. L-26/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 13 & 14, Jophing Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 stt. in plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1559 of 1977 dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date 3-12-1977

- (1) Kr Vishwajeet Singh,
- (2) Shri Mahipal Singh,
- (3) Kr. Vishwajeet Singh

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref No. 99-M/Acq—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used heremas are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft of plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow

And all details as mentioned in Form No 37G of No 1565 of 1977 dated 30-7-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 3-12-1977

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th Docember 1977

Ref No GIR No P-63/Acq --Whereas, I, AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 3, C-47/90, Abbot Road (Vidhan Sabha Marg,)

Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 29-4-77

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manak Vicajee, Km Zarina Buijor Vicajee & Kum, Ruddi Burjor Vicajee

(Transferor)

- (2) Smt. Paimeshwari W/o late Shri Verhomal (Transferee)
- (3) Same as at No 1 above.

 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of old dilapidated house No 3-C/47/90/91/92, Abbot Road (Vidhan Sabha Marg) Lucknow measuring 204 Smts

All as entered in Form 37G No 1342 I dated 29-4-77 and sale deed registered in the office of Sub Registrar Lucknow

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-12-1977

(1) Shri Nawab Sayed Murtaza Ali Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shafia Asaf Alı Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1977

Ref. No 157-S/Acq—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-U/35, Rampur Bag, Civil Lines, Bareilly situated at Bareilly

(and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-4-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land along with house No. 2-U/35 situated at Rampur Bag, Civil Lines, Bareilly.

And all that mentioned in Form No. 37G of No. 182 dated 15-4-77 registered at Sub Registrar Office, Delhi.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAD

Dharwad, the 14th December 1977

Ref. No. 196/77-78/ACQ.—Whereas, J, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Dharwad being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 270/1 situated at Uppar Galli, Khasbag (Belgaum) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Belgaum under Doc No 2439 on 25-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14-396GI,77

(1) Shri Laxman Gangadhar Bhandaii, R/o Khasbag, Taluk and Distt Belgaum.

(Transferor)

(2) 1 Smt Pushpadevi Rameswarlal Joshi,
 2 Sri Ramkumai Rajaram Joshi,
 Uppar Gali, Khasbag, Taluk & District Belgaum

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Powerloom Factory Building, Office-room, Car-shed and Outhouse, situated at Uppar Gali, Khasbag (Belgaum) bearing House No 270/1, measuring an area of 4875 square feet.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwad.

Date: 14-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1977

Ref. No. RAC No. 155/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 235 situated at Chandralok Complex Secundera-

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at Secunderabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Construction Co., at 111-S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

1. Kumari M. Aporna,
 2. Smt. J. Kousalya Devi,
 both residing at 3-6-546/5 Himayatnagar,
 Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No 235 on the IInd floor of Chandralok Complex, at S.D Road, Secunderabad, registered vide document No. 647/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-12-1977

(1) Swastik Construction Co, at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1977

Ref No. RAC. No 156/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Plot No 310, & 311 situated at Chandralok Complex Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri A. V. Pratap Reddy, Plot No. 4, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 310 and 311 in IIIId floor in Chandia-lok Complex at S. D. Road, Secunderabad, registered vide document No 651/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1977

Ref No. RAC. No. 157/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Office No 312 & 313 situated at Chandralok Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Construction Co., at S. D. Road, Secunderabad

(Transferor)

 Sri A V Mahipal Reddy, at Plot No. 4 Domalguda, Hydcrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 312 and 313 in IIIrd floor of Chandralok Complex at S D. Road, Secunderabad, registered vide document No 652/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 7-12-1977

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref. No. RAC. No. 158/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 22-5-68 to 71 situated at Charminar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Sii Uma Karan,
 2 Sii Vijaya Karan,
 through Powei of Attorney,
 Sii Umakaran,
 3 Tej Karan,
 all residing at H. No 8-2-547 at Banjara Hills,
 Hyderabad
 (Transferor)
- (2) Smt. Bina Devi,
 W/o Gulabchand,
 H No. 22-5-68 to 71 at Charminar,
 Hyderabad.

(Transferee)

(3) 1 Basith, 2. Rajkumar, both at H No 22-5-68 to 71 Charminar, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building and bearing M. No 22-5-68 to 22-5-71 at Charminar Hyderabad, registered vide Document No 588/77 at the Office of the Sub-Registrar Azamabad Hyderabad and measuring 220 05 Sq Yds

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No. 160/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and No. 5-7-665 Open plot situated at Kanteshwar Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Nizamabad on 25-4-1977 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 1 Sii M Anandam, S/o M Venka Rangaiah,
 2 Sri I. S. Sharma, both R/o Kanteshwar Road, Nizamabad

(Transferor)

(2) Sri Devidai Rao, S/o Sii Anantha Rao, R/o Magdi, Armoor-Tq. Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in M No 5-7-665 at Kanteshwar Road, Nizamabad admeasuring 327 96 Sq Yds registered vide document No. 1745/77 at Sub-Registrai Nizamabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydciabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No. 160/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Open plot in M No 7-11-1079/5 situated at Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partness has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Sri Shah Gopaldas, S. o Sii Shah Wamandas, H. No. 7-6-566 at Gandhi Gunj, Nizamabad

(Transferor)

(2) Smt. Shantha Bai, W/o Sii Laxmichand, H No. 6-20-52 at Gurba Abadi Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing M No 7-11-1079/5 situated at Lala-Lapathi Gunj, (Mirchi Compound) Nixamabad, registered vide Document No 1753/77 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No 161/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1/4th Portion in 3/913/914 Badabazar, situated at Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

2 Sri D. Bjikshpathi; S/o Sri Linganna, H No 3-11-33 at Ashok Veedhi, Nizamabad,

(1) I. Smt D Poshamma,

Nizamabad

W/o Late D. Malliah, 2 Sri D. Bjikshpathi, S/o late D. Malliah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

both residing at H. No 7-7-123 at Kumargalli.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th portion in the property M No. 3/913, 3/914 and Tuished Mulgi, No 3/915 admeasuring 2605 Sq. Yds situated at Bada Bazar, Nizamabad, registered vide Document No 1449/77 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC 162/77-78 - Whereas, I, K, S VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaft referred to as 'said Act'), have reason to beheve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
Open plot in M No 5-7-665, situated at Kanteshwar Road

Nizamabad.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad in April 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the acresaid property by the issue o this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-15-396GI/77

(1) Sit M. Anandam, and Sii I S. Sharma, both R./o Kanteshwar Road, Nızamabad

(Transferor)

(2) Sri Mukesh Rao. S/o Sii Gangadher Rao, Magdi, Armoor-Tq. Nızamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- 1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 370 Sq Yds in M. No. 5-7-665 at Kanteshwar Road, Nizamabad, registered vide Document No. 1430/77 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad

K S VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No. RAC. 163/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 53/2 XVII Ward situated at Ginning Factory Madhavaram Road, Adoni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. Rama Rao, 2 N. Sudhindra Rao, both are partners in Sree Parimala Ginning Factory, Madhavaram, Road, Adom.

(Transferor)

(2) M/s Deepak Transport Agency, Feelkhana, Hyderabad by its Managing partner Shri Shivji, S/o Virji, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sree Parimala Ginning Factory Adoni, Municipal No 53/2 XVII Ward, admeasuring 1.94 Acrs cents registered Vide Document No 621/77 in the Office of the Sug-Registrar Adoni. Bounded on the:

East: Sri T. G. Gopala Setty and Mallikarjuna Setty land West: Medar Earanmans land

North: Factory standing on the land bounded on Madhavaram Road.

Madhavaram Road. South . Ch. Venkataramappa land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref. No. RAC.164/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 8-3-318/6 situated at Yusuffguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairatabad on 2-4-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K B Rathna Sastry, Munsiff Magistrate Kovvur, West Godawari, Dist. as G.P.A. of Smt. C. Sitharamamma,
 Smt C Seshu, 3 Dr. C. Venkataramana,
 C Ramprasad, 5 Y. Sathyavathy, shall have the same meaning as given in that
 C. Subhashini residing at 16-2-677/2 Malakpet, Hyderabad-36

(Transferor)

 Sri Y. Kishen Rao, Chemical Examiner, H. No. 8-3-318/6 Yousifguda, Hyderabad-45.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing M No 8-3-318/6 at Yousuffguda, Hyderabad, registered vide Document No. 788/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No. RAC 165/77-78 —Whereas, I, K S. VENKATARAMAN

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-3-434 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on 5-4-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sit Habib Shams H No. 5-4-701 at Old Kattalmandi, Hyderabad

(Transferor)

(2) Mis Akthar Jahan, W/o Sii Abdul Rahman, H No. 107-2-RT at Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 10-3-434 at Vijayanagar Colony, Hyderabad registered through Doc. No 796/77 in the office of the Sub-Registral Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977 Seal :

 Smt Mahmooda Begum, W/o Mohd Ilyas Ahmadı, "Banhul Noor" Adjocent to "M. Jung" Road-1, Banjara Hills, Hydetabad.

(Transferor)

(2) 1 Di Nooruddin, 2. Mrs. Feroze Sultana, Represented by G.P.A Dr. S. A. Sikora, H No 23-2-141 at Mogulpura, Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC.166/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11-4-650 situated at Lakdikapull, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on April, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 11-4-650 at Lakdtkapul, Hyderabad registered vide Document No. 988/77 in the Office of the Sub-Registrar Khantabad, Hyderabad.

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date + 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Mahalakshmamma, alias Aare Bharathi, W/o Sri Dasaratha Naidu, Veeraraghavapuram, Poonimangadu, Chingalepet, Dt. (T.N.).

(1) Sri V M Govindayya, 293 at Nadamuni Street, Thirupathi

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC,167/77-78 —Whereas, I, K S VENKATΛRΛΜΑΝ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. T.S No 485/18 situated at Shantinagar, Colony Thupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 3-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used .herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. TS No. 485 ward No. 18 situated at Shantinagar Colony Thirupathi, registered vide Document No. 766/77 in the Office of the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No. RAC 168/77-78 - Whereas, I, K. S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 8-2-268/A2 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officei at Khairtabad, on 29-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1 Shu Iqbal Hussain S/o Dildar Hussain, H No 8-2-268/A2 Banjara Hills, Hyderabad. Sved Mohd. Ali, by GPA Smt Razia Begum, H No 8-2-405 Banjara Hills, Hyderabad.

(2) Shii Anil Kumar Agaiwal, Plot No. 73 at Srinagar Colony, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

All that piece and parcel of land admeasuring 1180 Sq. Yds. situated at Jubli Hills, Hyderabad, Plot No. 8-2-268/ A2 in survey No. 358, registered vide document No. 1012/ 77 in the Office of the Sub-Registrar, Khairtabad

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date 12-12-1977

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No. RAC 169/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 735/B Ward No. 9 situated at Santhapet, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nellore on 11-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Darisi Narayana S/o Guraviah, Jinigala Street, Nellore

2 Puvedi Thirupathiah, S/o Ramaiah, Santhapet, Nelloic.

(Transferor)

(2) Immidisetty Lakshmikanthamma, W/o China Venkateshwarlu, Kathuridevinagar, Nellore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop room No 735/B ward No. 9 situated at Santhepet, Nelloie registered vide Document No 734/77 in the Office of the Sub-Registrar Nellore

K S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Associated Builders & Real Estate Agents, Partner Smt Pushpalata, W/o Sri Ratanlal, C/o Totaram Sagarmal, Abid Road, Hyderabad

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref No RAC 170/77-78,—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No A-2F-4 situated at "Poonam Apartment" Abid Road,
Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-396GI/77

 Mrs. Premlata Chandra, W/o Sri Vinod Chandra, R/o 5-8-4 at Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 53Id immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A-2, F-4, 2nd floor of Poonam Apartments, bearing M No. 5-8-512 to 517 C, at Chirag Alı lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 821/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 12-12-1977

(1) 1. Sri Mohd. Ibrahim, 2. Mohd Yakoob, R/o Bazai Ghat Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asian Auto Consultant,
P/1 Represented by Sri Mohd. Mukaiama Ali,
11-2-210 at Public Guiden 10ad,
Nampally, Hyderabad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref No RAC 171/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5-8-322/14 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hyderabad on 15-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 5-8-322/14 at Umabagh, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 883/77 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad,

K S VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date 12-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Quadrı Begum W/o Syed Mohd, Razvı H. No. 7-1-47 at Sanjeevaredynagar Colony, Hyderabad

(Transferor)

(2) Mrs Zaheda Begum W/o Dr M. A. Majeed, H No 11-2-1187 at Nampally, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No RAC 172/77-78.—Wheleas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to do the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Plot Land 400 Sq Yds situated at Nampally, Red Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 27-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot measuring 400 Sq Yds. situated at Red Hills Nampally, Hyderabad, registered vide Doc No. 859/77 with the Joint Sub-Registral Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 12-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th December 1977

Ref. No CHD/3/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000 and bearing No

Plot No 14/16-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

 Shri Beant Singh S/o Shri Hari Singh, House No. 59/19-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Sh. R. L. Gugneja S/o
Sh. Harkishan Lal.
(1) Mrs P Gugneja w/o
Sh. R. L. Gugneja,
Residents of H. No. 1079, Sector 23,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in (hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential plot bearing House No 642, Sector 16-D, Chandigarh The area of the plot is 524.54 Sq Yards.
(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 73 of April, 1977 in the office of the Sub-Registrar, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-12-1977

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 19th December 1977

Ref. No. PNP/1/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-14, Industrial Area, Panipat situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dina Nath 6/0 Shri Nand Sarup s/0 Shri Harnam Dass, Gur Mandi, Panipat. (Transferor)
- (2) S/Shri Bhagwan Dass, Mathra Dass, Om Prakash ss/o Shri Chiranji Lal c/o M/s Bhoja Ram Chiranji Lal, Commission Agents, Mandi Padampur (Rajasthan). OR M/s. Om Dal & Oil Mill, E-14, Industrial Alea, Panipat.

(Transferee)

6135

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial property consisting of Dall Mill Plant Shed Godown and office block bearing No. E-14, Industrial Area, Panipat with land area 2502 5 sq yds

(Property as mentioned in the sale deed registered partly at Sl. No 7106 of Feb., 1977 and No 11 of April, 1977 of the Registering Authority, Panipat

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 19th December 1977

Ref. No JDR/8/77-78 -- Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No Plot measuring 85'×165' situated at Tejli, Teh. Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Alvina Violet Dutta W/o Sh. W. Dutta, R/o Mapri, Jagadhari.
- (2) (1) Sh. Shiv Kumai s/o Sh Nihal Chand, (2) Smt. Madhu w/o Sh Om Paikash R/o, 1309-Near Guidwara Paper Mills, Yamuna Nagar,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 85'×165' bounded by Brick masonary compound wall on three sides alongwith Chowkidar Room, situated at Vill Tejli, Teh. Jagadhari

Property as mentioned in sale deed registration. No. 580 dated 23-5-1977 registered in the office of Registering Autho-11ty, Jagadhari"

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date 19-12-1977

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Alvina Violet Dutta W/o Sh W Dutta, R/o Mapri, Jagadhari

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 19th December 1977

Ref. No JDR/9/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No plot measuring $75'\times165'$ situated at Tejli, Teh. Jagadhau (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhau in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohan Lal
(ii) Sh Darshan Kumar
(iii) Sh Kewal Kumar
sons of Sh. Charan Dass
R/O H. No. 309, Janta Street,
Near Joginder Market, Yamuna Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 75'×165' Bounded by Brick Masonary compound wall on three sides, situated at Tejli, Teh Jagadhari "Property as mentioned in the sale deed registration No 588 dated 23-5-1977 at the office of Registering Authority, Jagadhari"

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 19-12-1977

(1) Smt. Raj Rani, w/o Shri Jugal Kishore, R/o 486/1, Purana Bazar, Ludhiana,

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Rajasthan Wool Agencies, 97-B, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 20th December 1977

Rei. No. LDH/U/4/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No B-XXIII/ 13, Plot No. 97-A Industrial Area 'A' situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XXIII/13, Plot No 97-A, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 39 of

April, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-12-1977

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref. No LDH/U/14/77-78 -Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-4/1072, Mohalla Sudan, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tiuly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-17---396GI/77

(1) Shri Ram Murti, s/o Shri Niyamat Rai, R/o Mohalla Sudan, H. No. B-4/1072, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/shri

(i) Smt. Asha Rani, w/o Kasturi Lal,
(ii) Smt. Vidya Vatı, wd/o Bihari Lal,
c/o M. S. Hosiery Knitting Works, Purana Bazar, Ludhiana.

(Tiansteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No B-4/1072, Mohalla Sudan, Ludhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No 101 of April, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhians

Date 20-12-1977

JTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref No. SML/10/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under section 269B

ot the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'Otterbourne'-Simla-East measuring 2035 sq. yds. & 4 sq. feet comprised in khasra Nos. 241, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 and 241/B inclusive of a ready built house, situated at Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in April, 1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the atoresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Gurdevi Dilbagh Dhingra, 18, Fire Brigade Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Swatantra Singh, Commissioner for Departmental Enquiries, Himachal Piadesh Secretariat, Simla

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Otterbourne' Simla-East measuring 2035 sq. yds & 4 sq. feet comprised in Khasra Nos 241/1, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 and 241/B inclusive of a ready built house, Simla. (Property as mentioned in the registered Deed No. 169 of April, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977

Seal .

(1) Shri Mohinder Kumar Choudhiy, s/o Shri Chajju Ram, R/o Khanna Kalan, c/o M/s Laxmi Ginning Mills, Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref No KNN/2 77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Λ building house situated in Ward No 3, situated at Khanna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Khanna in May, 1977 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shii Madan Mohan s/o Shri Amiik Rai,
 (ii) Smt. Satya Devi, w/o Madan Mohan Rai,
 Residents of Khanna.
 C/o Laxmi Gilling Mills, Khanna

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A Building House situated in Ward No. 3, Khanna Kalan (Property as mentioned in the Registered Deed No 219 of May, 1977 of the Registering Officer, Khanna.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref No SML/1/77-78 -- Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As mentioned in the Registered Deed No 108 of April, 1977 of the Registering Authority, situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simfa in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the massicree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shil Kupal Singh, s/o R. B. Sardai Sher Singh, Torrentium Retreat, Simla-2.

Present address —C/o Commander I. S Pantel, 470/2, Service Officers Enclave, Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Indeint Kalra, s/o Shri Badri Nath Kalra, 76, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

(3) S/Shr1

- (t) K. K. Chopra (h) Champa (m) Jhumba
- (iv) Pamba
- (v) Kambla

Resident of Torrentium Retreet Simla

(4) ——

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

As mentioned in the Registered Deed No. 108 of April, 1977 of the Registering Authority Simla.

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date 20 12-1977 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI 1(110001)

New Delhi 'he 20th December 1977

Ref No IAC/Acq. I/SR III/4/April-1(4)/77-78/4614 — Whereas I, J. S GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

TS No 2319/P,

PART III—SEC. 1]

HS-22, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aroung from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ta. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weilth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S Sampuran Singh Oberoi, s/o
 Shri Jai Dev Singh Oberoi, r/o
 B-4/38, Safdarjung Enclave, New Delhi.
 (Transferoi)
- (2) Ram Duları Bhutanı, w/o Shrı Kıshorı Lal Bhutani, 1/o E-343-D, Grenter Kaılash-I, New Delhi

(Transferce)

- (3) 1 M/s Kailash Departmental Store
 - 2. Shri Chaman Lal,
 - 3 Sh. Krishan Sardana

[Person(s) in occupation in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A single storeyed Commercial property bearing Municipal No HS-22 constructed on a plot of land measuring 239/1/10 sq. yds (199.88 sq. mets.) situated at Kailash Colony, New Delhi and bounded as under —

East Road and Park
West Service Lane
North HS-21
South Road

J S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date 20-12-1977

(1)Shrimati Satyabhama Devi w/o Late Bhagab;1 Barik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bipin Behari Khamari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 17th December 1977

Ref. No. 61/77-78/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I, A N MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

situated at Badgad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar ou 39-1-1977

for an apparent consideration which is les-

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said institution of transfer with the ob, it of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have rot been or which ought to be disclosed by the sustered for the purposes of the Indian Incom-\ct. 1922 ' nx Act, (11 of 1922) or the said Act, or the V 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any cl the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Badgad, Bhubaneswai under the jurisdiction of Sub-Registral. Bhubaneswai and registered by sale document No 2098 dated 30-3-77



A. N. MISRA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhubaneswar

Date 17-12-1977